NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 334 लखनऊ, रविवार 02 अगस्त 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

विवेका स्मारक उद्घाटन पर बोले प्रधानमंत्री मोदी विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर युवा बढ़ा रहे राष्ट्र का गौरव

एजेंसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने मैसूरु में विवेका स्मारक का उद्घाटन कर स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को स्मरण किया। उन्होंने भारतीय युवाओं की शक्ति पर बल देते हुए कहा कि आज वे अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप और डिजिटल समाधानों में विश्व का नेतृत्व कर रहे हैं, जो राष्ट्र निर्माण का मजबूत आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक में कहा कि मैसूरु भारत की शाश्वत सांस्कृतिक पहचान रहा है, शहर ने उस परंपरा को संजोकर रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि व्यक्ति से विभूति का निर्माण एकाएक नहीं होता। इसके लिए हमें जीवन की अनगिनत परीक्षाएं देनी होती है, साधनाएं करनी होती हैं, तप करना होता है, खुद को तपाना और खपाना पड़ता है। ख्याति के बाद तो संसार पीछे खड़ा होता है। लेकिन तप के समय महान विभूतियों को पहचानना आसान नहीं होता। मोदी ने कहा कि जो साधक को तपस्या में पहचानता है, वो उसकी सिद्धि का सहभागी भी होता है। इसलिए भाई–बहनों स्वामी विवेकानंद जी के जीवन में मैसूरु का इतना अहम योगदान था। करीब 130 वर्ष पहले स्वामी जी 1 युवा सन्यासी के रूप में भ्रमण करते हुए यहां आए थे। तब उनकी

प्रसिद्धि वैसी नहीं थी, लेकिन विचार उतने ही ऊंचे थे। उस समय उन्हें जिन लोगों ने पहचाना, जो उनके साथ जुड़े उनमें से एक प्रमुख मैसूरु के तत्कालीन महाराजा का भी था। जब स्वामी विवेकानंद जी अमेरिका में थे, तब उन्होंने वहां से मैसूरु के महाराजा को एक पत्र लिखा था, उसमें उन्होंने स्वयं महाराजा के सहयोग का उल्लेख किया था। नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने भारतीय चेतना को आत्मसात किया था। उन्होंने शास्त्रों को आत्मसात किया था। जो कहते हैं कि वास्तव में वही जीता है, जो दूसरों के लिए जीता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ से जुड़ी सेवाएं हों या प्राकृतिक आपदा में राहत कार्य, श्री रामकृष्ण आश्रम ने स्वामी विवेकानंद जी की विरासत को जीवंत रखा है। मुझे विश्वास है कि Viveka Smarak साधकों और श्रद्दालुओं के लिए आत्मिक उत्थान के एक तीर्थ बनेगा। स्वामी विवेकानंद जी की प्रेरणा थी शिव ज्ञाने, जीव सेवा, यानी जीव की सेवा ही शिव की सेवा है। हमें इस स्मारक में ऐसे युवाओं को घड़ना है, जिनके लिए समाज और राष्ट्र के हित, गरीब और वंचित के दुःख आने सुख–दुःख से ऊपर हो। जिन युवाओं के लिए राष्ट्र प्रथम ही सर्वोपरि मंत्र हो, मां भारती की सेवा ही जिनका जीवन लक्ष्य हो।प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी युवाओं की शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मजबूत आधार मानते थे। उन्होंने ये देखा था कि कैसे दुनिया के देश अपने युवाओं को शिक्षित बना रहे हैं। लेकिन दुर्भाग्य से तब भारत गुलाम था। भारत के युवा भी गुलामी की जंजीरो में जकड़े हुए थे। उस दौर से लेकर आज तक भारत के युवा ने एक लंबी यात्रा तय की है। भारत का जो युवा कभी जंजीरों में था, आज वो युवा दुनिया के विकास को गति दे रहा है। आज भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही है। ये सब भारत के युवाओं के सामर्थ्य की वजह से ही हो रहा है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। वो भी भारत के युवाओं के सामर्थ्य से। मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाईल फोन निर्माता बन चुका है वो भी भारत के युवाओं के सामर्थ्य से। आज भारत में बने कपहपजंस `वसन. जपवदे दुनिया के अनेक देशों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। वो भी भारत के युवाओं के सामर्थ्य से। आज भारत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की नई यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। वो भी भारत के युवाओं के सामर्थ्य की वजह से। स्वामी विवेकानंद जी राष्ट्र उत्थान के लिए शिक्षा के साथ–साथ समानता को भी उतना ही अहम मानते थे। शिक्षा में भेदभाव न हो, अवसरों में भेदभाव न हो, आज ये देश का विजन बन गया है। उन्होंने कहा कि युवाशक्ति का स्वास्थ्य, अनुशासित और आत्मविश्वास से भरे रहना बहुत जरूरी है।

यूपी में गौशालाएं अब सिर्फ आश्रय नहीं, आर्थिक गतिविधियों के केंद्रय सीएम योगी की नीति से संवर रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था

,संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी गो संरक्षण नीति ने उत्तर प्रदेश में गो सेवा के पारंपरिक स्वरूप को बदलते हुए इसे एक सफल उद्यमिता और स्वरोजगार मॉडल में बदल दिया है। प्रदेश में अब गौशालाएं केवल गोवंश के आश्रय स्थल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और करोड़ों के टर्नओवर वाले कारोबार का मुख्य आधार बन चुकी हैं। योगी सरकार की नीतियों से प्रेरित होकर अब देश–विदेश में काम करने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर, पर्यावरण विशेषज्ञ, बड़े कारोबारी और सामाजिक संस्थाएं इस क्षेत्र में उतरकर नए आर्थिक आयाम स्थापित कर रहे हैं।ग्लोबल हुआ यूपी का पंचगव्यरू अमेरिका से दुबई तक भारी मांगयोगी सरकार द्वारा गोवंश संरक्षण को जैविक खोती, महिला सशक्तिकरण और स्वदेशी उत्पादों से जोड़ने का नतीजा अब धरातल पर दिखने लगा है। प्रदेश में बने ।2 दूध, बिलौना घी, पंचगव्य औषधियों, जैविक खाद और हर्बल ब्यूटी प्रोडक्ट्स की मांग केवल देश में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। आज उत्तर प्रदेश के गो–आधारित उत्पाद अमेरिका, कनाडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, दुबई और कई यूरोपीय देशों के बाजारों तक निर्यात हो रहे हैं, जिससे ग्रामीण युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिला है।सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने छोड़ा विदेश, गाजियाबाद में खड़ा किया 10 करोड़ का कारोबार सीएम योगी की प्रेरणा से गाजियाबाद में सॉफ्टवेयर इंजीनियर असीम रावत ने अपनी करीब 15 साल की कॉरपोरेट नौकरी छोड़कर श्हेता ऑर्गेनिकश की शुरुआत की। आज उनकी संस्था वृद्ध व बेसहारा गोवंश की देखभाल के साथ–साथ देसी गायों के दूध से 150 से ज्यादा प्रकार के वैल्यू–एडेड उत्पाद बना रही है। ।2 बिलौना घी, ब्राह्मी घृत, कुकीज, हर्बल टी और स्किन–हेयर केयर प्रोडक्ट्स के जरिए यह संस्था सालाना करीब 10 करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल कर रही है, जो आधुनिक प्रबंधन और गो सेवा के समन्वय का बेहतरीन उदाहरण है।वाराणसी का सुरभि शोध संस्थानरू 28,000 गोवंश

और 1,000 से अधिक लोगों को रोजगारवाराणसी में समाजसेवी सूर्यकांत जालान द्वारा संचालित श्सुरभि शोध संस्थानश गो सेवा और आजीविका का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। लखनऊ, वाराणसी, मिर्जापुर और दिल्ली में फैली इनकी गौशालाओं में 28,000 से अधिक गोवंश का संरक्षण किया जा रहा है। गोबर और गोमूत्र से जैविक खाद व औषधियां तैयार कर संस्थान ने 1,000 से अधिक स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार दिया है। यह मॉडल साबित करता है कि सामाजिक जिम्मेदारी के साथ–साथ गो सेवा को बड़े पैमाने पर उत्पादन और रोजगार से जोड़ा जा सकता है।पर्यावरण इंजीनियर ने बुलंदशहर में बनाया सफल मॉडल, गो सेवा आयोग का विशेष जोर इसी तरह बुलंदशहर के पर्यावरण इंजीनियर पराग गौड़ ने 70 देसी गायों के साथ काम शुरू कर सवा करोड़ रुपये का सफल सालाना कारोबार खड़ा किया है। वे शुद्ध दूध, घी और विशेष च्यवनप्राश बनाकर स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा कर रहे हैं।

यूपी में शिक्षकों के कैशलेस इलाज की योजना ने पकड़ी रफ्तार

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को नई मजबूती देते हुए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के क्रियान्वयन में रिकॉर्ड गति हासिल की है। 8 जुलाई को वाराणसी से बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए योजना के शुभारंभ के मात्र 22 दिनों में लगभग 42 प्रतिशत पात्र शिक्षक–कार्मिकों की ई–केवाईसी पूरी कर ली गई है। इसी क्रम में 26 जुलाई को आगरा से उच्च शिक्षा विभाग के लिए योजना शुरू होने के मात्र चार दिनों में ही लगभग 47 प्रतिशत पात्र लाभार्थियों का ई–केवाईसी पूरा हो चुका है। ई–केवाईसी पूर्ण होने के बाद लाभार्थियों को सूचीबद्ध चिकित्सालयों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में 20 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसके बाद प्रदेश सरकार ने योजना का प्रारूप, पोर्टल, सूचीबद्ध अस्पतालों की व्यवस्था तथा अन्य विभागीय तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी कीं। घोषणा के मात्र 138 दिनों के भीतर 8 जुलाई को वाराणसी से मुख्यमंत्री ने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ कर दिया। इसके 18 दिन बाद 26 जुलाई को आगरा से उच्च शिक्षा विभाग को भी योजना के दायरे में शामिल कर लिया गया।

पटना एसएसपी पर पीके का हमला सत्ताधारी पार्टी के लिए काम कर रही पुलिस, गुंडागर्दी का आरोप

एजेसी।

दिल्ली। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में पटना SSP पर लोकतंत्र को कमजोर करने का गंभीर आरोप लगाया है, जिसमें वोटरों को डराने–धमकाने और राजनीतिक नेताओं को अवैध रूप से हिरासत में लेने का जिक्र है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की शुचिता पर सवाल उठ रहे हैं। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान पटना के सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। किशोर, जो उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार भी हैं, ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस–प्रशासन ने पिछले तीन दिनों के चुनावी दौर में सखघ्त रवैया अपनाया, वोटरों को डराया–धमकाया, राजनीतिक नेताओं को गैर–कानूनी तरीकघ् से हिरासत में लिया और एक खास राजनीतिक पार्टी के पक्ष में काम किया।मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मिलने के बाद इन चिंताओं पर बात करते हुए किशोर ने कहा कि हमने पटना SSP के खिलाफ लिखित सबूतों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत चुनाव के दौरान पिछले चुनाव आयोग और जरूरत पड़ने पर अदालतों तक ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी देखा है। यह विवाद बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रचार और वोटिंग के दौरान चुनाव में

तीन दिनों में पुलिस के व्यवहार को लेकर है – खासकर उनके कामों, वोटरों को डराने–धमकाने, राजनीतिक नेताओं को हिरासत में लेने और एक खास पार्टी के पक्ष में पुलिस की कार्रवाई को लेकर। उन्होंने आगे कहा कि निर्वाचन अधिकारी ने शिकायत स्वीकार कर ली है और औपचारिक जांच का भरोसा दिया है, साथ ही जांच के नतीजों के आधार पर सख्त कार्रवाई करने का भी आश्वासन दिया है। किशोर ने चेतावनी दी कि अगर स्थानीय स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो इस मामले को दिल्ली में भी हाल में पटना के SSP या पुलिस के किसी भी अधिकारी को बिहार में लोकतंत्र को कमजोर करने और अपने एजेंडे के हिसाब से प्रक्रिया में हेर–फेर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने पुलिस पर सत्ताधारी पार्टी के साथ मिलकर वोटरों को डरा–धमकाकर और उन्हें दबाकर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। किशोर ने कहा कि पटना, बख्तियारपुर और पूरे बिहार में आपराधिक तत्वों ने पुलिस के साथ मिलकर जिस तरह की गुंडागर्दी की है, उसे जनता ने व्यवस्थित दखल, वोटरों को दबाने और राजनीतिक नेताओं को खास तौर पर हिरासत में लेने के आरोपों से पैदा हुआ है। शुक्रवार को किशोर ने पत्रकारों को बताया कि जन सुराज के नेताओं को बिना किसी औपचारिक गिरफ्तारी रिकॉर्ड के अलग–अलग पुलिस स्टेशनों में हिरासत में रखा गया और उन्हें बिना जानकारी दिए एक जगह से दूसरी जगह ले जाया गया। उन्होंने कहा कि जैसा कि हमने बताया, पुलिस ने कल शाम से देर रात तक जन सुराज के 16 से ज़्यादा नेताओं को परेशान किया।

सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली लक्ष्मी योजना किया लान्च, महिलाओं को अब मिलेंगे 2500 हर महीने

एजेंसी।

दिल्ली। सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए पंजीकरण पोर्टल लॉन्च किया, जिसके तहत पात्र महिलाओं को मासिक 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। यह योजना महिलाओं को सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक आजादी प्रदान कर सशक्त बनाने पर केंद्रित है, जो दिल्ली सरकार की महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाती है।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को पूर्वी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट (क्ड) कार्यालय में दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए रजिस्ट्रेशन पोर्टल लॉन्च किया। इस आधिकारिक लॉन्च के साथ ही, योजना के तहत पात्र महिलाओं के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि केंद्र शासित प्रदेश की पात्र महिलाएँ आधिकारिक पोर्टल दृ कसल. कमसीप.हवअ.पद दृ के जरिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकती हैं।दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत, हर पात्र महिला को हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। इस योजना का मकसद महिलाओं को सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक आजादी के साथ अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में सक्षम बनाकर उन्हें सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री ने फिर कहा कि दिल्ली सरकार अपने वादे पूरे करने के लिए प्रतिबद्ध है और राजधानी में महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा

देने की अपनी कोशिशों में डटी हुई है।मंगलवार को गुप्ता की अध्यक्षता वाली दिल्ली कैबिनेट ने उस योजना को मंजूरी दी, जिसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये मिलेंगे। यह योजना पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में बीजेपी का एक अहम चुनावी वादा थी। कैबिनेट से मंजूर योजना के नियमों के अनुसार, 21 से 60 साल की उम्र की वे महिलाएँ आवेदन करने की पात्र होंगी, जिनके परिवार की सालाना आय 2.50 लाख रुपये तक है।

नीट प्रदर्शन पर स्मृति ईरानी का बड़ा बयान, कहा-जेन जी और पीएम मोदी के बीच नहीं है कोई दूरी

एजेंसी।

दिल्ली। बीजेपी की सीनियर नेता और पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री स्मृति ईरानी ने उन दावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि NEET पेपर लीक के खिलाफ हुए विरोध–प्रदर्शनों से 'जेनरेशन' (GenZ) और नरेंद्र मोदी सरकार के बीच बढ़ती दूरी का पता चलता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कानून बनाकर, बातचीत के जरिए और प्रधानमंत्री के सीधे संवाद के माध्यम से इस मामले पर तेजी से प्रतिक्रिया दी। ईरानी ने कहा कि संसद में पेपर लीक विरोधी कानून का पास होना और इंस्टाग्राम वीडियो के जरिए छात्रों से प्रधानमंत्री मोदी की हालिया अपील यह दिखाती है कि सरकार

युवाओं की चिंताओं के प्रति संवेदनशील है, न कि उनके प्रति उदासीन। जब उनसे पूछा गया कि क्या छात्र–नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन युवाओं और सरकार के बीच बढ़ती खाई को दर्शाते हैं, तो ईरानी ने इस धारणा को खारिज करते हुए तर्क दिया कि सरकार की प्रतिक्रिया इसके विपरीत साबित करती है। उन्होंने कहा कि संसद ने व्यापक विचार–विमर्श के बाद कागज लीक रोधी विधेयक पारित किया था और प्रधानमंत्री द्वारा प्रदर्शनकारी छात्रों को दिया गया संदेश रचनात्मक सहयोग का प्रमाण है।

युवाओं को पवन कल्यान का संदेश - पीएम मोदी का त्याग समझो, देश सेवा का अपमान मत करो

एजेंसी।

दिल्ली। पवन कल्याण ने जंतर–मंतर पर प्रधानमंत्री मोदी के कथित अपमान पर गहरा दुख व्यक्त किया, इसे देश की सेवा में समर्पित नेता का निरादर बताया। उन्होंने युवा पीढ़ी से नेतृत्व के त्याग को समझने और संस्कार, अनुशासन व देशभक्ति को आत्मसात करने की अपील की, ताकि विकास और सुशासन सुनिश्चित हो सके। आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने हाल ही में जंतर–मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई व्यक्तिगत टिप्पणियों पर गहरा दुख जताया। 1 अगस्त को भोगपुरम में अल्लूरी सीताराम राजू इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए, कल्याण ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व का बचाव किया और स्थिर शासन को विकास से जोड़ा। उन्होंने माता–पिता से अपील की कि वे युवा पीढ़ी में संस्कार, अनुशासन और देशभक्ति की भावना पैदा करें। प्रधानमंत्री की आलोचना पर बात करते हुए कल्याण ने कहा कि हम जितनी ज्यादा कोशिश करते हैं, उतनी ही ज़्यादा आलोचना झेलते हैं। उन्होंने कहावत का जिक्र किया कि पत्थर उसी पेड़ पर मारे जाते हैं जिस पर फल लगे हों। राजनीति में आने के बाद खुद भी आलोचनाओं के आदी हो चुके कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पर होने वाले तीखे व्यक्तिगत हमलों को देखकर उन्हें दुख होता है। बिना किसी का नाम लिए, कल्याण ने जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणियों का जिक्र किया और सवाल उठाया कि देश की सेवा करने वाले नेता को ऐसा बर्ताव क्यों सहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार भारत का नेतृत्व कर रहे हैं। बहुत से लोगों ने उनके बारे में कठोर बातें कही हैं। यह सुनकर मेरी आँखों में आँसू आ गए। क्या हम उन्हें यही देते हैं जिन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया है? उन्होंने युवा पीढ़ी से प्रधानमंत्री के नेतृत्व के पीछे किए गए त्याग को समझने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि पद संभालने के बाद से मोदी ने एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली है और वे लगातार बाहरी और आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। कल्याण ने कहा कि नई पीढ़ी को उन मुश्किलों के बारे में नहीं पता जिनसे वे गुजरे हैं। उन्होंने

मजबूती से अपना समर्थन जाहिर करते हुए कहा कि अगर कोई आपके खघ्लिाफ बोलता है, तो मानो वह हमारे खघ्लिाफ बोल रहा है। हम मजबूती से आपके साथ खड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश का कोई भी मौजूदा नेता मोदी के नेतृत्व की बराबरी नहीं कर सकता और न ही उनके किए गए त्याग को पूरी तरह समझ सकता है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में बैंकिंग बाधाओं पर यूपी सोलर एनर्जी डेवलपमेंट एसोसिएशन का खुला पत्र, रजिस्ट्री की अनिवार्यता हटाने की मांग

लखनऊ (आरएनएस)। प्रधानमंत्री सूर्य घरदृमुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में आ रही बैंकिंग संबंधी बाधाओं को लेकर उत्तर प्रदेश सोलर एनर्जी डेवलपमेंट एसोसिएशन (यूपीएसईडीए) ने प्रधानमंत्री कार्यालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा योजना की नोडल एजेंसी आरईसी लिमिटेड को खुला पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से सोलर ऋण स्वीकृति के लिए मकान की रजिस्ट्री या म्यूटेशन को अनिवार्य किए जाने से योजना की रफ्तार बुरी तरह प्रभावित हो रही है और एक करोड़ घरों पर सोलर रूफटॉप लगाने का लक्ष्य संकट में पड़ सकता है।एसोसिएशन के सचिव एवं संस्थापक संचित राज गर्ग की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि प्रधानमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकारी, जिला प्रशासन, परियोजना अधिकारी, कार्यदायी संस्थाएं तथा सोलर वेंडर लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसके बावजूद बैंकों की नई शर्तों ने योजना के क्रियान्वयन में गंभीर व्यावहारिक समस्याएं खड़ी कर दी हैं।पत्र में बताया गया है कि पिछले तीन वर्षों तक जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से दो लाख रुपये तक का सोलर ऋण बेहद सरल प्रक्रिया के तहत उपलब्ध कराया जाता था। इसके लिए केवल घरेलू बिजली बिल, आधार कार्ड और पैन कार्ड जैसे तीन दस्तावेज पर्याप्त होते थे। ऋण स्वीकृत होने के बाद सोलर संयंत्र शीघ्र स्थापित कर दिए जाते थे और लगभग दस दिनों के भीतर केंद्र सरकार की 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी सीधे ऋण खाते में जमा हो जाती थी। इसी सरल व्यवस्था के कारण देशभर में लगभग 40 लाख घरों में सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित किए जा सके।एसोसिएशन का आरोप है कि 1 जून 2026 के बाद जन समर्थ पोर्टल पर बैंकों ने मकान की रजिस्ट्री अथवा दाखिल–खारिज का दस्तावेज अनिवार्य कर दिया है। इसके चलते बड़ी संख्या में लोगों के ऋण आवेदन निरस्त हो रहे हैं। संगठन का कहना है कि देश के अधिकांश परिवार पैतृक या संयुक्त पारिवारिक मकानों में रहते हैं, जहां बिजली का कनेक्शन तो उपभोक्ता के नाम पर होता है, लेकिन संपत्ति माता–पिता, पति, भाई या अन्य परिजनों के नाम दर्ज होती है। ऐसी स्थिति में बैंक ऋण देने से इनकार कर रहे हैं।खुले पत्र में कहा गया है कि इस नई व्यवस्था के कारण योजना की गति लगभग थम गई है और यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो सरकार का एक करोड़ घरों तक सोलर ऊर्जा पहुंचाने का लक्ष्य प्रभावित हो सकता है।यूपीएसईडीए ने केंद्र सरकार और संबंधित एजेंसियों के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। संगठन ने सबसे पहले मकान की रजिस्ट्री या म्यूटेशन की अनिवार्यता समाप्त कर पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। इसके अलावा ऋण स्वीकृति के लिए पहले की तरह केवल बिजली बिल, आधार कार्ड और पैन कार्ड को ही पर्याप्त दस्तावेज माना जाए। यदि किसी मामले में स्वामित्व को लेकर संदेह हो तो रजिस्ट्री के स्थान पर परिवार के मुखिया का अनापत्ति प्रमाण पत्र या स्व–घोषणा पत्र स्वीकार करने की व्यवस्था लागू की जाए।एसोसिएशन का कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्य घरदृमुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आम लोगों के बिजली खर्च में कमी लाने का राष्ट्रीय अभियान है। इसलिए बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाकर अधिक से अधिक परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचाना समय की आवश्यकता है।

लखनऊ पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर शिकंजा, दो शातिर चोर गिरफ्तार, 24 घंटे में गुमशुदा युवक सकुशल बरामद

लखनऊ (आरएनएस)। राजधानी में कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लखनऊ पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नरेट ने यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई करते हुए जहां 1359 वाहनों के चालान किए और 41 वाहन सीज किए, वहीं आशियाना पुलिस ने चोरी की दो वारदातों का सफल खुलासा कर दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा निगोहां पुलिस ने घरेलू विवाद के बाद घर छोड़कर चले गए एक युवक को महज 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।पुलिस आयुक्त के निर्देशन में 26 जुलाई से 31 जुलाई तक प्रतिदिन रात्रि 9रू30 बजे से 12रू00 बजे तक चार पहिया वाहनों के विरुद्ध विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने, हूटर और ब्लैक फिल्म का अवैध प्रयोग करने, बिना नंबर प्लेट, अमान्य दस्तावेज रखने, तेज रफ्तार से वाहन चलाने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। छह दिन तक चले इस अभियान में कुल 1359 वाहनों के चालान किए गए, जबकि 41 वाहनों को सीज किया गया। कई वाहन वैध दस्तावेज न होने और उनमें अवैध परिवर्तन पाए जाने के कारण जब्त किए गए।यह अभियान शहर के सभी पांच पुलिस जोनों में एक साथ चलाया गया। कैसरबाग, हुसैनगंज, नखास, अटल चौक, तेलीबाग चौराहा, 1090 चौराहा, आईटी चौराहा, निशातगंज क्रासिंग, अवध चौराहा सहित प्रमुख बाजारों और व्यस्त स्थानों पर पुलिस टीमों ने बैरियर लगाकर वाहनों की सघन जांच की। कार्रवाई के साथ–साथ वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस ने नागरिकों से शराब पीकर वाहन न चलाने, मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, ब्लैक फिल्म और हूटर का इस्तेमाल न करने तथा उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट का उपयोग करने की अपील की है।उधर, आशियाना थाना पुलिस ने जुलाई माह में हुई चोरी की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर देवीखेड़ा से इको गार्डेन जाने वाली सड़क से राहिल उर्फ लंगड़ा और मो. इस्माइल उर्फ टिल्लू को गिरफ्तार किया। दोनों के कब्जे से चोरी के जेवरात और विद्युत तार बरामद किए गए, जिनमें एक जोड़ी पाजेब, एक जोड़ी पायल, पांच पायल, एक ब्रेसलेट, एक कमरबंद, एक सफेद धातु की चेन, एक पीली धातु की अंगूठी तथा बिजली के तार शामिल हैं। बरामदगी के आधार पर दोनों मुकदमों में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की गई और आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी राहिल उर्फ लंगड़ा एक आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध लखनऊ और गोरखपुर के विभिन्न थानों में चोरी और नकबजनी के 18 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं दूसरे आरोपी के आपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य थानों से जुटाई जा रही है।इसी क्रम में दक्षिणी जोन के निगोहां थाना पुलिस ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए घरेलू विवाद के बाद घर छोड़कर चले गए एक युवक को 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। गुमशुदगी की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल खोजबीन शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से युवक का पता लगाकर उसे सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। युवक के सकुशल मिलने पर परिवार ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।लखनऊ पुलिस का कहना है कि अपराध नियंत्रण, चोरी की घटनाओं के खुलासे, गुमशुदा व्यक्तियों की शीघ्र बरामदगी और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए इस प्रकार के विशेष अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे।

बिजली बिल की समस्याओं के समाधान के लिए पूरे प्रदेश में अगस्त भर लगेंगे विशेष शिविर, उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर मिलेंगी सभी सुविधाएं

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने बिजली उपभोक्ताओं की बिल संबंधी समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए पूरे प्रदेश में एक माह का विशेष अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रबंध निदेशक नितीश कुमार के निर्देश पर 1 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक सभी विद्युत वितरण निगमों और केस्को कानपुर के खंडीय, उपखंडीय, सहायक अभियंता (वितरण एवं वाणिज्य) तथा अधिशासी अभियंता कार्यालयों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार पूर्वांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगमों तथा केस्को कानपुर को विस्तृत दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं की बिजली बिल से जुड़ी शिकायतों का मौके पर समाधान करना और उन्हें बार–बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना है।यूपीपीसीएल ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक शिविर में बिल संशोधन, नए बिजली कनेक्शन, विद्युत भार वृद्धि, खराब मीटर बदलने, श्रेणी परिवर्तन, बिल जमा करने तथा बिजली आपूर्ति से संबंधित अन्य शिकायतों का भी निस्तारण किया जाएगा। निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी उपभोक्ता को शिकायत दर्ज किए बिना वापस नहीं भेजा जाएगा।शिविरों में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का पंजीकरण 1912 हेल्पडेस्क पर अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक शिविर स्थल पर पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर और लैपटॉप उपलब्ध कराए जाएंगे। शिकायतों के समाधान के बाद उन्हें 1912 पोर्टल पर बंद करने की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी।यूपीपीसीएल ने यह भी व्यवस्था की है कि जो उपभोक्ता शिविर तक नहीं पहुंच सकते, वे अपनी शिकायत 1912 हेल्पलाइन अथवा व्हाट्सएप चौटबॉट के माध्यम से भी दर्ज करा सकेंगे। ऐसी शिकायतों का निस्तारण शिविर में किया जाएगा और संबंधित उपभोक्ताओं को व्हाट्सएप के माध्यम से इसकी सूचना भेजी जाएगी।आदेश में कहा गया है कि प्रत्येक शिविर में अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी, सहायक अभियंता तथा मीटर संबंधी अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ मौजूद रहेंगे ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बिल संशोधन का कार्य केवल बिल संशोधन सूचना ज्ञापन (बीआरआईएम) के माध्यम से किया जाएगा और आरएमएस प्रणाली से बीआरआईएम तैयार होने के बाद उसकी प्रति उपभोक्ता को भी उपलब्ध कराई जाएगी।अभियान के दौरान उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर और ई–मेल आईडी अपडेट करने का विशेष अभियान भी चलेगा। साथ ही लोगों को यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप डाउनलोड कराने और उसके उपयोग की जानकारी देने के लिए अलग से सहायता केंद्र बनाए जाएंगे, जिससे भविष्य में बिजली सेवाओं का लाभ डिजिटल माध्यम से आसानी से मिल सके।यूपीपीसीएल ने निर्देश दिया है कि प्रत्येक शिविर में उपभोक्ताओं के बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा स्मार्ट मीटर परियोजना से जुड़ी एजेंसियों के प्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाएगा, ताकि तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान हो सके।शिविरों की निगरानी के लिए अधीक्षण अभियंता (वितरण एवं वाणिज्य) को नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि अभियान के सफल संचालन की जिम्मेदारी संबंधित विद्युत वितरण निगमों के निदेशक (वाणिज्य) को सौंपी गई है। प्रत्येक दिन शिविरों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी और विस्तृत दैनिक रिपोर्ट यूपीपीसीएल मुख्यालय को ई–मेल के माध्यम से भेजी जाएगी।

पप्पू यादव के बयान के विरोध में विश्व हिन्दू रक्षा परिषद का प्रदर्शन, पुतला फूंककर सार्वजनिक माफी की मांग

लखनऊ, (आरएनएस)। पप्पू यादव के कथित सनातन धर्म संबंधी बयान के विरोध में विश्व हिन्दू रक्षा परिषद (वीएचआरपी) ने शनिवार को गोमती नगर स्थित विशाल खंड–2 कार्यालय पर प्रदर्शन किया और उनका पुतला दहन किया। संगठन के पदाधिकारियों ने बयान को सनातन धर्म, संत समाज और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का अपमान बताते हुए सार्वजनिक माफी की मांग की।प्रदर्शन के दौरान विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि सनातन धर्म, साधु–संतों और धार्मिक परंपराओं के प्रति अपमानजनक टिप्पणियां किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकतीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पप्पू यादव द्वारा संत समाज और भगवा वस्त्र की गरिमा पर की गई टिप्पणी करोड़ों सनातनियों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है।उन्होंने कहा कि किसी एक व्यक्ति के आचरण के आधार पर पूरे संत समाज को कटघरे में खड़ा करना अनुचित और निंदनीय है। उनके अनुसार भारतीय संस्कृति, सभ्यता और सनातन परंपरा में संत समाज का महत्वपूर्ण स्थान है तथा उनकी गरिमा पर प्रश्नचिह्न लगाना समाज की आस्था पर चोट पहुंचाने जैसा है।गोपाल राय ने यह भी आरोप लगाया कि पप्पू यादव द्वारा पहने गए कुर्ते पर राम मंदिर का चित्र अंकित था। उन्होंने कहा कि राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था, श्रद्धा और लंबे संघर्ष का प्रतीक है तथा उसकी गरिमा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संसद सहित किसी भी मंच पर श्रीराम मंदिर जैसे धार्मिक विषयों को लेकर दिए जाने वाले बयान केवल राजनीतिक टिप्पणी नहीं होते, बल्कि वे करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़े होते हैं।उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू रक्षा परिषद लोकतांत्रिक और संवैधानिक दायरे में रहकर सनातन धर्म और धार्मिक आस्थाओं के सम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। संगठन ने केंद्र सरकार से मांग की कि पप्पू यादव अपने बयान पर देशभर के सनातन धर्मावलंबियों और संत समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

विधायक ने छात्राओं को बाटे टेबलेट, महाविद्यालय को दिए 10 लाख रुपये

स्वामी विवेकानन्द डिजी शक्तियोजना के तहत हुआ वितरण

प्रयागराज। स्वामी विवेकानन्द डिजीशक्ति योजनांतर्गत 01 अगस्त को स्थानीय नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्नातकोत्तर की छात्राओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए टेबलेट्स का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लखनऊ उत्तर के विधायक डॉ. नीरज बोरा ने छात्राओं को टेबलेट दिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में भूमि विकास बैंक उत्तर प्रदेश के सभापति डॉ. विवेक सिंह तोमर मौजूद रहे। डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि आज की बेटियां विकसित भारत 2047 की एम्बेसडर हैं। आज के युग में सरकार की मंशा है कि छात्राएं तकनीकी ज्ञान हासिल करें। उन्होंने महाविद्यालय के फर्नीचर के लिए अपनी विधायक निधि से 10 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा भी की। विशिष्ट अतिथि डॉ. विवेक सिंह तोमर ने कहा कि महाविद्यालय की स्थापना अटल जी द्वारा की गई थी, इसलिए सरकार इसके विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहेगी। इससे पूर्व योजना के नोडल अधिकारी डॉ. अरविंद ने डिजीशक्ति योजना की पूरी आख्या प्रस्तुत की। प्राचार्य प्रो. शालिनी श्रीवास्तव ने कहा कि छात्राएं जब तकनीकी रूप से समृद्ध होंगी तभी विकसित भारत का सपना पूरा होगा। कार्यक्रम का संचालन प्रो. पूनम वर्मा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. भास्कर शर्मा ने दिया। इस अवसर पर डिजी शक्ति योजना के सदस्य डॉ. श्वेता भारद्वाज, डॉ. हेमलता पांडे, डॉ. श्रद्धा द्विवेदी, डॉ. राहुल पटेल सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

प्रयागराज मीडिया क्लब का विस्तार अरुण सोनकर बने सचिव

प्रयागराज। संगम तट पर पत्रकारिता के हितों को नई धार देने वाले प्रतिष्ठित मीडिया क्लब में सांगठनिक बदलावों की एक नई लहर दौड़ पड़ी है। संगठन को और अधिक मुखर, प्रभावी और संगठित स्वरूप देने के उद्देश्य से रिक्त पदों पर ऐतिहासिक नियुक्तियां की गई हैं, जो आने वाले समय में पत्रकारों की आवाज को और बुलंद करेंगी।क्लब के हर्ष नारायण सभागार में आयोजित इस रणनीतिक बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष अनुपम शुक्ला ने की, जबकि सह–सचिव संतोष शर्मा के नेतृत्व में पूरी रूपरेखा को मूर्त रूप दिया गया। वैचारिक मंथन के बाद क्लब के प्रमुख पदों पर योग्य चेहरों को जिम्मेदारी सौंपी गई।बैठक के दौरान सांगठनिक फेरबदल के तहत उपाध्यक्ष प्रशांत शर्मा द्वारा श्इलाहाबाद एक्सप्रेसश के संपादक अरुण सोनकर का नाम सचिव पद के लिए प्रमुखता से प्रस्तावित किया गया, जिस पर पूरे सदन ने एकमत से मुहर लगाई। इसके साथ ही, सलमान अहमद के प्रस्ताव पर टी.के. पांडे को आर्थिक प्रबंधन की अहम कमान सौंपते हुए कोषाध्यक्ष बनाया गया। संगठन के प्रकाशन विभाग की जिम्मेदारी आगे बढ़ाते हुए कार्यकारिणी सदस्य अनुराग दुबे के प्रस्ताव पर दिलीप जायसवाल को प्रकाशन मंत्री और अध्यक्ष अनुपम शुक्ला के प्रस्ताव पर अजय कुशवाहा को सह–प्रकाशन मंत्री चुना गया, जिसे सभी ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया।संगठन की सक्रियता को और अधिक धरातल पर उतारने के लिए कई जुझारू पत्रकारों को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया है, जिसमें अबुल कलाम राईन, असद कुरैशी, हिमांशु त्रिपाठी और श्यामू कुशवाहा

को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।इस सांगठनिक पर्व में संगम नगरी के तमाम प्रबुद्ध पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष अनुपम शुक्ला, उपाध्यक्ष प्रशांत शर्मा, सचिव अरुण सोनकर, सह–सचिव संतोष शर्मा, कोषाध्यक्ष टी.के. पांडे, प्रकाशन मंत्री दिलीप जायसवाल, सह–प्रकाशन मंत्री अजय कुशवाहा, कार्यालय प्रभारी जी. एन. वैश्य, सह–कार्यालय प्रभारी विलास गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य सलमान अहमद, अनुराग दुबे, सैयद मोहम्मद आमिर, कारी आरफीन, सुशांत शुक्ला और रहीम अहमद सहित बड़ी संख्या में पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक में पुलिस कमिश्नर ने कांवड़ यात्रा पर दिया निर्देश

जिले की कानून व्यवस्था और ट्रैफिक सुधार पर दिया जोर

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त प्रयागराज पीयूष मोर्डिया की अध्यक्षता में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था डॉ0 अजय पाल शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय विजय ढुल, के साथ रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित त्रिवेणी सभागार में कानून–व्यवस्था, अपराध नियंत्रण व श्रावण मासध कांवड़ यात्रा के सम्बन्ध में गोष्ठी आयोजित की गयी।बैठक में श्री मोर्डिया ने कहा कि ड्यूटी में लगे पुलिस बल द्वारा कांवड़ियों के साथ सौम्य व्यवहार किया जाये, एवं उनका सहयोग किया जाये। यात्रा मार्गों पर साइन बोर्ड लगाये जाये जिससे कांवड़ियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न

करना पड़े। उन्होंने कहा कि श्रावण मासधकांवड़ यात्रा के दृष्टिगत सम्बन्धित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि कांवड़ यात्रा के मार्गों का निरीक्षणध्भ्रमण निरंतर करते रहें। डिवाइडर के मध्य में यदि कहीं पर अवैध कट हो तो उसे तत्काल बंद किया जाये। कांवड़ यात्रा मार्ग पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती के भी निर्देश दिए।सीपी ने निर्देशित किया है कि घाटों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाये एवं सतत निरीक्षण सुनिश्चित किया जाये। तैनात पुलिस बल द्वारा पब्लिक एड्रेस सिस्टम से निरंतर आवश्यक निर्देश दिये जाते रहें एवं जगह–जगह पर आवश्यकतानुसार साइन बोर्डध्फ्लोटिंग बैरियर लगाये जायें। अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों द्वारा यात्रा मार्ग में पड़ने वाले शिविर, विश्राम गृहों का भ्रमण कर व्यवस्थापन का निरीक्षण कर लिया जाये।बैठक में समस्त पुलिस उपायुक्त, समस्त सहायक पुलिस आयुक्त, समस्त थाना प्रभारी एवं पुलिस की विभिन्न शाखाओं के प्रभारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जायज हत्यारे के प्रभावशाली मंचन ने सोचने को किया मजबूर

प्रयागराज। रंगकर्म के क्षेत्र में सक्रिय संस्था रंगचक्र द्वारा संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित 25 दिवसीय प्रस्तुतिपरक रंगमंच कार्यशाला का समापन आज देव भूमि पब्लिक स्कूल, प्रयागराज में अल्बेयर कामू द्वारा लिखित तथा दीपा शाही एवं सुरेश भारद्वाज द्वारा रूपांतरित नाटक ष्जायज हत्यारेष के प्रभावशाली मंचन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रियंका मिश्रा ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए संस्था के प्रयासों की सराहना की।ष्अपराध और न्याय के बीच खड़ा एक इंसानष्ट इसी केंद्रीय विचार को आधार बनाकर प्रस्तुत इस नाटक ने दर्शकों को गहरे आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया। नाटक यह प्रश्न उठाता है कि क्या किसी बड़े आदर्श, क्रांति या न्याय की स्थापना के लिए हत्या को उचित ठहराया जा सकता है? सत्ता, नैतिकता, न्याय और मानवीय संवेदनाओं के बीच संघर्ष को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया गया।इस प्रस्तुति का निर्देशन गौरव शर्मा ने किया। प्रमुख भूमिकाओं में देविका के रूप में अलका सिंह, ओंकार की भूमिका में आशुतोष कुमार सिंह, विमी के रूप में हेमंत सिंह, सूखेन की भूमिका में अनुपम चौधरी, विवान की भूमिका में अली मुर्तजा तथा चीफ की भूमिका में गौरव शर्मा ने प्रभावशाली अभिनय किया। सभी कलाकारों ने अपनी सशक्त प्रस्तुति से दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। संस्था के निर्देशक गौरव शर्मा ने कहा कि रंगचक्र भविष्य में भी ऐसे नाटकों का मंचन करता रहेगा जो समाज में संवेदनशीलता, वैचारिक चेतना और मानवीय मूल्यों को सशक्त बनाने का कार्य करें।

अनियंत्रित बस ने कइयों को रौंदा, तीन की हालत गंभीर

बाइक, साइकिल सवार और ठेले और गुमटी से टकराई

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले सरगम तिराहे के पास शुक्रवार रात 9:30 बजे चालक ने सवारियों से भरी बस तेज रफ्तार में दौड़ा दी। इससे बस अनियंत्रित हो गई। सड़क किनारे फुटपाथ पर खड़ी बाइक, साइकिल सवार और ठेले को समेटते हुए गुमटी से जा टकराई। हादसे में गुमटी के पास बैठा युवक, ठेला दुकानदार और साइकिल सवार बस के नीचे फंसकर घायल हो गए। घायलों को किसी तरह बाहर निकालकर निजी अस्पताल पहुंचाया गया।प्राप्त जानकारी के लिए अनुबंधित बस रामबाग से ड्रमंडगंज जा रही थी। जैसे ही बस राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड के पास पहुंची तभी दूसरी बस ने उसे ओवरटेक कर लिया। सरगम चौराहे पर सवारियों को बैठाने के चक्कर

में पीछे हुई बस के चालक ने भी रफ्तार तेज कर दी और आगे जा रही बस को ओवरटेक करना चाहा। इसी बीच चालक का बस से नियंत्रण छूट गया।घटना में नैनी निवासी ठेला दुकानदार रवि केसरवानी (35), रेही निवासी साइकिल सवार कृपा प्रजापति (40) और मियां का पुरा थाना औद्योगिक क्षेत्र निवासी राम बाबू घायल हो गए। रवि और कृपा तो बस के नीचे फंस गए। हादसे के बाद सवारियों में अफरातफरी मच गई। घायलों की चीख–पुकार सुनकर राहगीरों और आसपास के लोगों ने उन्हें बाहर निकाला। इस दौरान मौके से भाग रहे चालक को लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चालक नशे में था। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर बस को कब्जे में ले लिया।बाइक सवार बाल–बाल बचाअनियंत्रित बस ने सबसे पहले जिस बाइक को चपेट में लिया, उस पर सवार महुवारी गांव निवासी भूपेंद्र कुमार हादसे से दो मिनट पहले ही सड़क की दूसरी लेन स्थित मेडिकल स्टोर में दवा लेने चले गए थे। आंखों के सामने हादसे को देकर वह काफी घबरा गए। उन्होंने कहा कि आज तो बाल–बाल बच गए।

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय की पहल- नशा मुक्तभारत अभियान के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम

माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर की ओर से नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत युवाओं एवं समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा नशामुक्त, स्वस्थ एवं आत्मनिर्भर समाज के निर्माण के उद्देश्य से व्यापक जनजागरूकता अभियान की शुरुआत की गई।

अभियान के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय परिसर को पूर्णतः नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नशे का सेवन करने वाले व्यक्तियों को समझाने तथा परामर्श देने का प्रयास किया गया। उनसे नशे से दूर रहने और विश्वविद्यालय परिसर को नशामुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील की गई।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जागरूक एवं समझाने के प्रयास के बावजूद यदि कोई व्यक्ति विश्वविद्यालय परिसर में नशे का सेवन करते हुए सीसीटीवी कैमरों में पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध विश्वविद्यालय के निर्धारित नियमों के अनुसार ₹500 का आर्थिक दंड लगाया जाएगा।

आज विश्वविद्यालय के आसपास स्थित गाँवों में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज कुलपति प्रो. शोभा गौड़ की अध्यक्षता में अभियान की शुरुआत की गई। नशामुक्ति के संदेश को जन–जन तक पहुँचाने के लिए विभिन्न प्रकार के पोस्टर एवं बैनर के साथ जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से आसपास के क्षेत्रों में लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया तथा नशे का सेवन करने वाले व्यक्तियों को समझाने और उन्हें नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल परिसर में विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करना ही नहीं, बल्कि एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त वातावरण का निर्माण करना भी है। विश्वविद्यालय युवाओं तथा ग्रामीण समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करते हुए नशामुक्त, स्वस्थ एवं आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि जनसहभागिता, जागरूकता और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से नशामुक्ति के इस अभियान को जन–आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा परिसर के साथ–साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को नशे से होने वाले सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा सके।

कार्यक्रम में सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया ।

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर के सभी लॉ कॉलेजों के मानकों की होगी जाँच

मीरजापुरः माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर से सम्बद्ध लॉ कॉलेज जिसमें एलएलबी पाठ्यक्रम संचालित हो रहा है उसके लिए बार काउंसिल की ओर से प्रदेश के सभी लॉ कॉलेजों के मानकों की जांच के आदेश दिये गये हैं।

मीरजापुर तथा सोनभद्र जनपदों के लॉ कॉलेजों की जांच का जिम्मा माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर को सौंपा गया है। विवि अब जांच करेगा कि क्लास से लेकर छात्र अनुपात, शिक्षक व बार काउंसिल के गाइडलाइन का पालन कॉलेज कर रहे है या नहीं, इसकी रिपोर्ट सौपेगा। ऐसे में अगर कोई कॉलेज मानकों के विपरीत पाया गया तो उस पर कार्रवाई की जा सकती है।

इस सम्बन्ध में सुप्रीम कोर्ट में एक वाद दायर किया गया था जिसमें लॉ कॉलेजों की ओर से मानकों के पालन न करने की बात कही गई थी। इस पर कोर्ट की ओर से बार काउंसिल ऑफ इंडिया को कॉलेजों की जांच के लिए कहा गया था। बार काउंसिल की ओर से सभी विश्वविद्यालय के वीसी को पत्र लिखा गया है।

श्री राम नारायण, कुलसचिव बनाये गये नोडल अधिकारी– कुलपति की ओर से श्री राम नारायण, कुलसचिव को इसका नोडल अधिकारी बनाया गया है। जनके नेतृत्व में सभी लॉ कॉलेजों के मानकों की जांच की जाएगी कि बार काउंसिल के सभी मानकों का पालन किया जा रहा है या नहीं।

राजकीय पशु चिकित्सालय बल्दीराय में सुविधाओं का अभाव

बिना उपचार लौट रहे बीमार पशु

सुल्तानपुर। तहसील मुख्यालय स्थित राजकीय पशु चिकित्सालय में मूलभूत सुविधाओं के अभाव का खामियाजा पशुपालकों और बीमार पशुओं को भुगतना पड़ रहा है। चिकित्सालय परिसर में बड़े पशुओं के उपचार के लिए कई दशक पहले बनाया गया कैटल क्रश (अड़गड़ा) साफ–सफाई अभियान के दौरान गिरा दिया गया था। उस समय जिम्मेदार लोगो ने जल्द ही इसे दोबारा बनवाने का आश्वासन दिया था, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बाद भी इसका निर्माण नहीं कराया गया। कैटल क्रश के अभाव में बड़े पशुओं को सुरक्षित तरीके से बांधकर उनका उपचार करना संभव नहीं हो पा रहा है। परिणाम स्वरूप दूर–दराज गांवों से अपने बीमार पशुओं को लेकर आने वाले पशुपालकों को निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। इससे पशुओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शासन पशुपालन को बढ़ावा देने और पशुओं के बेहतर उपचार के लिए लगातार योजनाएं चला रहा है, लेकिन बल्दीराय राजकीय पशु चिकित्सालय में बुनियादी सुविधा तक उपलब्ध नहीं है। ग्रामीणों ने मांग की है कि अस्पताल में जल्द से जल्द नया कैटल क्रश बनवाया जाए ताकि बीमार पशुओं का उपचार सुचारु रूप से हो सके और पशुपालकों को राहत मिल सके। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं पशुपालन विभाग से शीघ्र कार्रवाई कर चिकित्सालय की आवश्यक सुविधाएं बहाल कराने की मांग की है।

मकान के ध्वस्तीकरण पर हाईकोर्ट की रोक

जौनपुर। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जौनपुर के चर्चित दुल्हा हत्याकांड से जुड़े पुलिस मुठभेड़ में मारे गए रवि यादव के परिवार को अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने रवि यादव के मकान के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण और बेदखली संबंधी आदेशों के क्रियान्वयन पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 1 अक्टूबर 2026 को होगी। रवि यादव के पिता ने अधिवक्ता डॉ. गजेन्द्र सिंह यादव के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा गया कि परिवार भूमिधरी गाटा संख्या–625 पर वैध रूप से काबिज है, जबकि प्रशासन ने जिस गाटा संख्या–624 को लेकर कार्रवाई की है, वह राजस्व अभिलेखों में खाद के गड्ढे के रूप में दर्ज है और उससे उनका कोई संबंध नहीं है। याचिका में आरोप लगाया गया कि तहसीलदार ने पर्याप्त सुनवाई का अवसर दिए बिना 4 जून को बेदखली और हर्जाने का आदेश पारित कर दिया। इसके बाद जिलाधिकारी ने 29 जून को अपील भी खारिज कर दी। याचिकाकर्ता ने कार्रवाई से पहले विधिवत सर्वे और सीमांकन कराने की मांग भी उठाई। न्यायमूर्ति चन्द्र कुमार राय ने प्रथम दृष्टया मामले को विचारणीय मानते हुए राज्य सरकार और नगर पंचायत को छह सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके बाद याचिकाकर्ता को दो सप्ताह में प्रत्युत्तर दाखिल करने की अनुमति दी गई है। इससे पहले रवि यादव की पुलिस मुठभेड़ में मौत के मामले में उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी संज्ञान लिया था। आयोग ने जिलाधिकारी जौनपुर से विस्तृत जांच रिपोर्ट तलब करते हुए पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डॉ. गजेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि किसी व्यक्ति पर आपराधिक आरोप होने के बावजूद उसके परिवार के वैधानिक और संवैधानिक अधिकार सुरक्षित रहते हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश विधि के शासन और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप है तथा प्रशासनिक कार्रवाई में विधिक प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने वाला है।

महान क्रांतिकारी उधम सिंह का जन्म दिवस धूम धाम से मनाया गया

विजडम इंडिया। गाजियाबाद । आज दिनांक 31 अक्टूबर 2026 शाम 6

ओ डायर को मौत के घाट उतारने का संकल्प ले लिया था, अपार कष्ट सहन करते हुए 21 वर्ष बाद लन्दन में उसे एक कार्यक्रम में गोलियों से भून दिया, देश और किसानों के खून का बदला ले लिया, वह क्रान्तिकारी शहीदे आजम भगत सिंह से प्रेरित रहे, और उन्हें फांसी की सजा हुई, 1940 में उन्हें फांसी पर लटका दिया गया, लेकिन इस वीर सपूत ने उनके घर में नर संहार और देश के अपमान का बदला ले अपना संकल्प पूरा किया, ब्रिटिश गुलामी से देश को मुक्त कराने का मार्ग प्रशस्त किया दी थी, आज भी राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक विषमता आजाद भारत में व्याप्त है द्य हमें समता, स्वतंत्रता, समानता, सद्भाव, भाईचारे का वातावरण बनाना चाहिए, तभी सद्भाव कायम होगा, तथा असंतोष दूर होगा द्य शहीद उधम सिंह का सपना जो उन्होंने कहा था कि मेरा नाम राम, मोहम्मद, सिंह "आजाद" है पूरा होगा ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डा0 देवकर्ण चौहान ने, आयोजन इंजी0 धीरेन्द्र यादव ने, संचालन श्रमिक नेता अनिल मिश्र ने किया, कार्यक्रम को सी0 बी0 मौर्य, राम प्यारे यादव, जगन्नाथ प्रसाद, सम्राट सिंह यादव ने भी संबोधित किया, पंडित विनोद त्रिपाठी ने ज्ञानपीठ सन्देश पढ़कर सुनाया, हुकुम सिंह ने राष्ट्रगीत "मेरा रंग दे बसंती चोला" सुना कार्यक्रम में शामिल सभी को देश–प्रेम से सराबोर कर दिया ।

कार्यक्रम में शामिल हो,

बजे ज्ञान पीठ केन्द्र 1, स्वरुप पार्क जी0 टी0 रोड साहिबाबाद के प्रांगण में लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा शहीद उधम सिंह का बलिदान दिवस "राष्ट्रीय एकता सर्व धर्म, सम भाव दिवस" के रूप में आयोजित किया गया, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता समाजवादी चिन्तक शिक्षाविद राम दुलार यादव रहे, सभी कार्यक्रम में शामिल साथियों ने शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें देश के सम्मान में अपने प्राणों की आहुति देने के लिए याद किया, तथा समाज के सभी धर्मों और वर्गों का सम्मान करने का संकल्प लिया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी चिन्तक राम दुलार यादव संस्थापकध्अध्यक्ष लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट ने कहा कि शहीद उधम सिंह अदम्य साहस, निर्भीकता की प्रतिमूर्ति, जिनका सम्पूर्ण जीवन संघर्ष में बीता, 12 वर्ष की अवस्था में ही उन्होंने जलियाँबाग कांड में नर संहार करवाने वाले उप राज्यपाल ।

लेकिन आज स्वतंत्र भारत में स्थिति बदली हुई है, आजादी के 79 वर्ष बाद भी हर वर्ग असंतुष्ट है, बेरोजगारी, मंहगाई, बेकारी, छात्र, नवजवान, किसान, व्यापारी, मजदूर सारे आर्थिक विपन्नता के शिकार है, परेशान हो आत्म हत्या कर रहे है, नफरत, असहिष्णुता, भय का वातावरण बनाया जा रहा है, धर्म भीरुता बढ़ रही है, महिलाओं के साथ अनाचार शर्मसार कर रहा है, क्या वीर बलिदानियों ने देश को आजाद कराने के लिए इसीलिए अपने प्राणों की आहुति

पुष्प अर्पित किया, प्रमुख रहे, राम दुलार यादव, डा0 देवकर्ण चौहान, ओम प्रकाश अरोड़ा, वीर सिंह सैन, सी0 बी0 मौर्य, अमृत लाल चौरसिया, सम्राट सिंह, रामेश्वर यादव, जगन्नाथ प्रसाद, ब्रह्म प्रकाश, मुनीव यादव, अवध्ेश यादव, भानू प्रताप सिंह, शम्भू नाथ जायसवाल, हेमा सिंह, राम जन्म यादव, राजेन्द्र सिंह, हुकुम सिंह, पंडित विनोद त्रिपाठी, प्रवीण कुमार वर्मा, विजय भाटी एडवोकेट, हरीश ठाकुर, विक्रम सिंह, राम प्यारे यादव, विजय मिश्र आदि रहे ।

गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धा और आस्था का संगम, गुरुओं का किया गया सम्मान।

गाजियाबाद। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शहर भर में श्रद्धा, भक्ति और सम्मान का वातावरण देखने को मिला। विभिन्न मंदिरों, आश्रमों एवं शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

सुबह से ही श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर पूजा–अर्चना की और अपने गुरुओं का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्राचीन शिव मंदिर मंदिर श्याम पार्क एक्सटेंशन जिंदल मार्केट डी ब्लाक में आयोजित कार्यक्रम में जगतगुरु ज्योतिष शिरोमणि विनोदानंद महाराज जी ने प्रवचन देते हुए कहा कि गुरु ही जीवन का सच्चा मार्गदर्शक होता है, जो अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। मंदिर में भजन–कीर्तन एवं सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। गुरु–शिष्य परंपरा को याद किया।

इस अवसर पर शाम को भोग प्रसाद वितरण किया गया इस दौरान लोगों ने अपने जीवन में गुरु के महत्व को स्वीकार करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट के संस्थापक रामदुलार यादव, भरत त्यागी, प्रवीण भाटी पार्षद पति, बलराज कसना पूर्व पार्षद प्रत्याशी, आशीष शर्मा मोनू, सम्राट सिंह यादव, चुनी लाल चौरसिया, रमाकांत पांडे, दयाल शर्मा, संतोष सिंह साईं, डब्लू पासवान, प्रियंका वाजपेई, राखी गुप्ता , सीमा त्यागी, संध्या साईं, संगीता त्यागी, नीलम त्यागी, मंदिर व्यवस्थापक राजकुमारी त्रिपाठी, प्रियांशु शर्मा, रजनीश तिवारी आदि मौजूद रहे।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, आधा दर्जन घायल

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के हुसैनाबाद गांव में शनिवार को जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद जमकर लाठी–डंडे चले, जिससे महिला सहित छह लोग घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने चार घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही शाहगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाने के साथ मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, हालांकि स्थिति फिलहाल पुलिस की निगरानी में सामान्य बताई जा रही है।

समाज में समानता और बंधुत्व बनाने की जरूरत

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा महान संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज के 650वें जयंती पर्व के पावन उपलक्ष्य में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत जिला कार्यालय पर श्री गुरु रविदास महाराज कलश वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ संत रविदास जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर संत रविदास जी की पावन जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर वाराणसी की पवित्र माटी से भरे कलश का पूर्ण विधि–विधान, मंत्रोच्चार एवं वंदन के साथ पूजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ–साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, प्रबुद्धजनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया उपस्थित सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने समाज में समानता और बंधुत्व बनाए रखने का संकल्प लिया। राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज ने समाज से ऊंच–नीच, जाति–पाति और वैमनस्यता को समाप्त कर सामाजिक समरसता, भाईचारे और समानता का अमर संदेश दिया था। उनका विचार 'ऐसा चाहूं राज में जहाँ मिले सबन को अन्न, छोट–बड़ों सब सम बसै, रविदास रहे प्रसन्न' आज भी हमारी नीति और चिंतन का मूल आधार है। जिला महामंत्री अजय सिंह ने कहा कि सीर गोवर्धनपुर से आई यह पवित्र माटी केवल मिट्टी नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सद्भाव का प्रतीक है पार्टी के कार्यकर्ता इस पावन कलश को जिले के प्रमुख संत–महात्माओं, मंदिरों और जन–जन तक लेकर जाएंगे तथा संत रविदास जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराएंगे।

विद्युत उपकेंद्र के निर्माण का भूमि पूजन

जौनपुर। बदलापुर विधानसभा के महराजगंज क्षेत्र वासियों की बहुप्रतीक्षित मांग को पूर्ण करते हुए ग्राम भगवानपुर में बाबूगंज विद्युत उपकेंद्र के निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने हेतु भूमिपूजन विधायक रमेश चन्द्र मिश्र ने किया।ग्राम भगवानपुर में 7 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से बाबूगंज विद्युत सब स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। इस सब स्टेशन के निर्माण से बाभनपुर, बेसार, बनबीरपुर, भगवानपुर, बाबूगंज, शेखपुर खुटहनी, केदुआ, असरोपुर, फत्तूपुर, दूधीपुर, डालूपुर, मया, पहाड़पुर, राजापुर, केवटली, धनछुआ, भवानीगढ़, सराय पड़री, एकछुआ, मनिकापुर, मुँहकुचा, अंगराह, बहाउद्दीनपुर, लोहिंदा, बिझवट, बहोरिकपुर, आनापुर, सराय दुर्गादास, अहिरौली, राजा बाजार, बनकट, सराय परशुराम, सोनपुरा, कांसापुर, भोगीपुर कठार, जगापुर समेत 40 गांवो में सुचारु बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।साथ ही भटपुरा में स्थित महराजगंज विद्युत केंद्र पर भार कम होगा। अधिशाषी अभियंता सिविल अनिरुद्ध चौरसिया,अधिशाषी अभियंता एसडीओ दिनेश सिंह, राम जनक यादव, राज नारायण पटेल, धीरज चतुर्वेदी, संजय सिंह, महेंद्र उपाध्याय, सीटू उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

जलार्चन के लिए कांवरियों का जत्था रवाना

जौनपुर। जफराबाद कस्बे के नावघाट मुहल्ले के गोमती नदी के घाट पर शनिवार को दर्जनों गाव के सैकड़ों कांवरिये जमा हुए।वहां से कांवरियों ने विधिवत पूजन– अर्चना करके सावन के पहले सोमवार को बाबा काशी विश्वनाथ धाम जल चढ़ाने के लिए रवाना हुए। कांवरियों के दल हर हर महादेव व हर–हर बम–बम,जय भोले के जयघोष गूंज रहा था।कांवरियों को विदाई देने काफी लोग मौजूद रहे।कांवरियों में में बच्ची यादव, सूरज मिश्रा, कमलेश प्रजापती, छट्टू प्रजापति, कल्लू प्रजापति, विकास , राहुल, प्रमोद, उमाशंकर, सहित सैकड़ों लोग रहे। कावरिया के स्वागत व उत्साहवर्धन के लिए भाजपा नेता ज्ञानप्रकाश सिंह चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ सरफराज खान, पूर्व चेयरमैन प्रमोद बरनवाल सहित क्षेत्र के सम्मानित लोगो ने कांवरियों को पुष्प देकर उत्साहवर्धन किया।

सड़क हादसे में स्वास्थ्य कर्मी की मौत

जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बरसठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मी दीपक कुमार सरोज की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह हादसा सड़क पार कर रहे एक सांप को बचाने के प्रयास में हुआ, जब उनकी बाइक अचानक असंतुलित होकर सड़क निर्माण के दौरान बिखरी गिट्टियों और पत्थरों पर फिसल गई। दीपक कुमार सरोज किसी कार्य से बाइक द्वारा जा रहे थे। रामपुर थाना क्षेत्र के गहरोल गांव के समीप सड़क पार कर रहे एक सांप को बचाने के प्रयास में उन्होंने अचानक बाइक का संतुलन बदल दिया। इसी दौरान सड़क निर्माण सामग्री के रूप में बिखरी गिट्टियों और पत्थरों पर बाइक फिसल गई। दुर्घटना में उनके सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने सीएचसी बरसठी परिसर में कई घंटों तक हंगामा किया और मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग की। बताया गया कि घटना दो थाना क्षेत्रों की सीमा से जुड़ी होने के कारण प्रारंभिक स्तर पर पुलिस कार्रवाई में विलंब हुआ।

कुएं में मिला अधेड़ का शव, इलाके में सनसनी

जौनपुर। केराकत थाना क्षेत्र के बेहड़ा गांव के रघुपुर पुरवा में शनिवार को एक कुएं से अधेड़ का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।मृतक की पहचान 45 वर्षीय राकेश शुक्ला पुत्र मानिक शुक्ला के रूप में हुई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रथम दृष्टया मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं।

Nepal में भड़की साम्प्रदायिक हिंसा की चिंगारी क्या समूचे हिंदू समाज के लिए खतरे की घंटी है?

नेपाल के जिस कप्तानगंज इलाके से इस हिंसा की शुरुआत हुई, वह भारत के बिहार से लगी खुली सीमा के बेहद करीब स्थित है। यह क्षेत्र सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण पालिका के अंतर्गत आता है, जहां हिंदू और मुस्लिम समुदाय दशकों से एक–दूसरे के पड़ोसी के रूप में रहते आए हैं।नेपाल की तराई इस समय किसी शांत पहाड़ी देश की तस्वीर नहीं, बल्कि ऐसी बारूद की ढेरी नजर आ रही है, जहां एक मामूली चिंगारी ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। कांवड़ यात्रा की तैयारियों के दौरान डीजे की तेज आवाज को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़पों में बदल गया। पत्थर चले, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस छोड़ी, चेतावनी के तौर पर फायरिंग हुई और आखिरकार गोलियां चलीं। तीन लोगों की मौत ने इस विवाद को स्थानीय घटना से उठाकर राष्ट्रीय संकट का रूप दे दिया।

हिंसा की शुरुआत सुनसरी जिले के देवानगंज क्षेत्र से हुई, लेकिन जल्द ही इसकी आग धनुषा, सिराहा, सप्तरी और जनकपुर सहित नेपाल के दक्षिणी तराई क्षेत्र में फैल गई। प्रशासन को कई जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा, जबकि पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने, जुलूस, प्रदर्शन और सभाओं पर रोक लगा दी गई। नेपाल सेना तक को तैनात करना पड़ा, जिससे हालात की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।नेपाल के जिस कप्तानगंज इलाके से इस हिंसा की शुरुआत हुई, वह भारत के बिहार से लगी खुली सीमा के बेहद करीब स्थित है। यह क्षेत्र सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण पालिका के अंतर्गत आता है, जहां हिंदू और मुस्लिम समुदाय दशकों से एक–दूसरे के पड़ोसी के रूप में रहते आए हैं। स्थानीय बाजार, स्कूल और सामाजिक जीवन दोनों समुदायों के बीच साझा रहे हैं। यही नजदीकी सामान्य दिनों में सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बनती है, लेकिन तनाव की स्थिति में यही भौगोलिक निकटता छोटी–सी कहासुनी को भी कुछ ही घंटों में बड़े सांप्रदायिक टकराव में बदल देने का खतरा पैदा कर देती है।हम आपको यह भी बता दें कि स्थिति कुछ सामान्य होने पर प्रशासन ने चुनिंदा इलाकों में कर्फ्यू में ढील देना शुरू किया है। हालांकि कई संवेदनशील क्षेत्रों में प्रतिबंध अभी भी जारी हैं। अस्पताल, एंबुलेंस, दवा, दूध, ईंधन और आवश्यक सेवाओं को छूट दी गई है। इसी के साथ विभिन्न जिलों में शांति रैलियां निकाली जा रही हैं, ताकि दोनों समुदायों के बीच विश्वास बहाल किया जा सके। जनकपुर में सर्वदलीय बैठक आयोजित कर राजनीतिक दलों, धार्मिक नेताओं और सामाजिक प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने का प्रयास भी किया गया।उधर, इस मुद्दे पर लगातार आलोचना झेलने के बाद प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह ने पहली बार राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने हिंसा की निष्पक्ष जांच के लिए समिति गठित करने की घोषणा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों और नफरत फैलाने वाले संदेशों से बचने तथा केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की। सरकार ने मृतकों के परिजनों को दस–दस लाख नेपाली रुपये का मुआवजा देने और उन्हें शहीद घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करने का भी वादा किया है।लेकिन सवाल केवल इतना नहीं है कि हिंसा कैसे भड़की। असली चिंता यह है कि नेपाल, जिसे लंबे समय तक धार्मिक सह–अस्तित्व का उदाहरण माना जाता था, वहां अब सामाजिक ध्रुवीकरण की घटनाएं अपेक्षाकृत अधिक दिखाई देने लगी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना

है कि स्थानीय विवाद, सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहें, कमजोर प्रशासनिक प्रतिक्रिया, बेरोजगारी और समुदायों के बीच बढ़ता अविश्वास ऐसे हालात को और विस्फोटक बना रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि इस घटना को केवल हिंदू–मुस्लिम संघर्ष के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा, क्योंकि इसके पीछे राजनीतिक, सामाजिक और संस्थागत कारण भी मौजूद हैं।दरअसल, नेपाल की तराई पहली बार बड़े पैमाने पर हिंसा का गवाह नहीं बनी है। वर्ष 2007 का गौर नरसंहार, कपिलवस्तु की जातीय हिंसा और 2015 की टीकापुर घटना इस क्षेत्र की संवेदनशील सामाजिक संरचना की याद दिलाती हैं। इन घटनाओं का स्वरूप धार्मिक नहीं था, बल्कि जातीय और राजनीतिक संघर्षों से जुड़ा था। लेकिन इन सभी घटनाओं में एक समानता स्पष्ट दिखती है कि बड़ी भीड़ रही, प्रशासन की देर से प्रतिक्रिया आई और स्थानीय तनाव ने तेजी से हिंसक रूप ले लिया। यही कारण है कि आज धार्मिक विवाद भी उसी संवेदनशील सामाजिक ढांचे में और अधिक विस्फोटक साबित हो रहे हैं।इसी संदर्भ में नेपाल में बढ़ते धार्मिक ध्रुवीकरण पर भी बहस तेज हो गई है। कुछ राजनीतिक समूह नेपाल की बदलती जनसांख्यिकीय और धार्मिक राजनीति को लेकर चिंता जता रहे हैं तथा इसे बढ़ते इस्लामी प्रभाव या पहचान–आधारित राजनीति से जोड़ रहे हैं, जबकि अन्य विशेषज्ञ इसे सामाजिक अविश्वास, आर्थिक निराशा तथा राजनीतिक ध्रुवीकरण का संयुक्त परिणाम मानते हैं। देखा जाये तो नेपाल इस समय धार्मिक पहचान की राजनीति के बढ़ते प्रभाव का सामना कर रहा है, जिससे सभी समुदायों के बीच तनाव बढ़ने का जोखिम पैदा हुआ है।हम आपको बता दें कि नेपाल की 2021 की जनगणना के अनुसार मुस्लिम आबादी राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 5 प्रतिशत है, लेकिन मधेश और तराई के कई सीमावर्ती जिलों में उनकी हिस्सेदारी राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। सुनसरी, धनुषा, रौतहट, पर्सा और सराही जैसे जिले भारत की खुली सीमा से जुड़े हैं, जहां वर्षों पुराने पारिवारिक, वैवाहिक और व्यापारिक रिश्ते बिहार तथा उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि सीमा के दोनों ओर पैदा होने वाले सामाजिक या सांप्रदायिक तनाव एक–दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। भारत के लिए चुनौती केवल सीमा सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि अफवाहों, कट्टरपंथी प्रचार, संगठित उकसावे और सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने वाले दुष्प्रचार पर भी समान रूप से नजर रखना आवश्यक होगा।भारत के लिए यह घटनाक्रम विशेष महत्व रखता है क्योंकि हिंसा प्रभावित अधिकांश जिले भारतीय सीमा से लगे हुए हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश से सटी खुली भारत–नेपाल सीमा दोनों देशों की सबसे बड़ी ताकत भी है और संवेदनशीलता भी। यदि नेपाल में सांप्रदायिक तनाव लंबे समय तक बना रहता है तो उसका असर सीमा पार सामाजिक संबंधों, व्यापार, सुरक्षा और खुफिया चुनौतियों पर भी पड़ सकता है। भारत को नेपाल के साथ सुरक्षा समन्वय, सीमा पर सतर्क निगरानी, अफवाहों और कट्टरपंथी प्रचार पर नजर तथा स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर सूचना साझाकरण को और मजबूत करना होगा।नेपाल फिलहाल हिंसा की आग को बुझाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वास्तविक चुनौती केवल कर्फ्यू हटाने की नहीं, बल्कि टूटते सामाजिक विश्वास को फिर से जोड़ने की है।

सम्पादकीय

मुद्दे को दलगत रंग

मुद्दा संसदीय गतिरोध नहीं, बल्कि सड़कों पर खड़ा हो रहा गतिरोध है। सरकार को इसे समझने की संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। मुद्दे को दलगत दायरे में समेटने का नजरिया जोखिम भरा साबित हो सकता है।

मुद्दा शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, लेकिन सरकार ने अपना पक्ष रखने की जिम्मेदारी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री को सौंपी। उधर अपनी प्रेस कांफ्रेंस में जेपी नड्डा ने कॉकरोच आंदोलन की मांगों पर चर्चा करने के बजाय संसदीय गतिरोधा दूर करने के लिए विपक्ष के सामने प्रस्ताव रखा। कहा कि नीट और अन्य परीक्षाओं में श्वर्तमान एनडीए एवं पूर्व यूपीए सरकारों के दौरान हुईय पेपर लीक की घटनाओं पर सरकार संसद में पूरी चर्चा के लिए तैयार है। स्पष्टतरू इस मुद्दे को उन्होंने दलगत रंग दिया। मतलब सरकार चाहती है कि सड़क पर उठ रहे सवालों को दरकिनार कर सत्ता पक्ष और विपक्ष पेपर लीक एवं परीक्षा व्यवस्था ध्वस्त के प्रश्नों पर आपसी तू तू–मैं मैं का साया डाल दें!और अगर विपक्ष ऐसा करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो संसदीय गतिरोध की जिम्मेदारी उसके माथे पर डाली जाए। बहरहाल, विपक्षी दल इतना तो शायद समझते ही हैं कि युवा मन की उथल–पुथल को नजरअंदाज करना उनके लिए अपनी प्रासंगिकता को दांव पर लगाना होगा। तो विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया है कि कॉकरोच आंदोलन की इन तीन मांगों को मानना गतिरोधा तोड़ने की पूर्व शर्त हैरू शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, दिल्ली में 20 जुलाई को श्शांतिपूर्णय प्रदर्शनकारियों पर हुए श्जुल्मय की जवाबदेही तय की जाए, और प्रधानमंत्री छात्रों से माफी मांगें।

देश में युवा असंतोष के इजहार से जिस तरह की सूरत बन रही है, सरकार के लिए इन मांगों को मान लेना बुद्धिमानी की बात होगी। 20 जुलाई को राजधानी में लाठी चार्ज, आंसू गैस और कथित रूप से पैलेट गन के इस्तेमाल की खबरों ने युवा आक्रोश को और भड़काया है। दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की कुछ टिप्पणियों ने मरहम लगाने के बजाय विपरीत प्रतिक्रिया पैदा की है। ऐसे में मुख्य मुद्दा संसदीय गतिरोध नहीं, बल्कि सड़कों पर खड़ा हो रहा गतिरोध है। सरकार को इस स्थिति को समझने की संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। सड़क पर के गतिरोध का समाधान फिलहाल उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुद्दे को दलगत दायरे में समेटने का नजरिया जोखिम भरा साबित हो सकता है।

००

सरकार और भाजपा को हर मोर्चे पर मात

नीट यूजी पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर पर हुए आंदोलन में सरकार और भाजपा को हर मोर्चे पर मात मिली। पिछले 12 साल में तैयार किया गया उसका कोई भी टूल इस बार काम नहीं आया। तमाम कोशिश के बावजूद सरकार, भाजपा और समर्पित मीडिया मिल कर इस आंदोलन को देशद्रोहियों का या भारत विरोधियों का या अमेरिका, चीन, पाकिस्तान प्रायोजित नहीं बता पाए। क्योंकि छात्रों और युवाओं के आक्रोश की वजहें इतनी ठोस थीं कि वे इस आंदोलन को सरकार विरोधी आंदोलन भी नहीं बता सके। इससे पहले हर आंदोलन में सरकार का अपना एक पक्ष होता था। जैसे किसान आंदोलन के समय भी सरकार का पक्ष था कि जो तीन केंद्रीय कानून बनाए गए हैं वो किसानों के भले के लिए हैं, उनके हित में हैं और देश के हित में भी हैं। लेकिन यह बात वे पेपर लीक के बारे में तो नहीं कह सकते थे कि पेपर लीक छात्रों और देश के हित में है। किसान आंदोलन के समय कहा जा रहा था कि सरकार किसानों के हित में कानून ले आई है लेकिन आढ़तिए या दूसरे हित समूह मिल कर किसानों को गुमराह कर रहे हैं। लेकिन ऐसी कोई बात छात्रों और युवाओं के आंदोलन में नहीं कही जा सकती थी। इसलिए पहले दिन से सरकार बैकफुट पर थी।

भाजपा, केंद्र सरकार के इकोसिस्टम और मीडिया ने किसानों के आंदोलन को खालिस्तान से जोड़ दिया था, आंदोलनकारियों को खालिस्तानी और आतंकवादी कहा जा रहा था, उनके आंदोलन में विदेशी हाथ बताया जा रहा था, अंतरराष्ट्रीय सिंगर रिहाना से लेकर युवा आंदोलनकारी ग्रेटा थनबर्ग और दिशा रवि को भारत विरोधी टूलकिट का हिस्सा बताया जा रहा था। उससे पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ हुए प्रदर्शनों और विरोध को सरकार ने घुसपैठियों को बचाने की कवायद बता दिया था। सरकार ने अपने इकोसिस्टम के जरिए यह बात स्थापित कर दी थी कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में हैं और मुस्लिम तुष्टिकरण व वोट बैंक की राजनीति के चक्कर में कांग्रेस व दूसरी विपक्षी पार्टियां एसआईआर का विरोध कर रही हैं।

इसी तरह नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए के खिलाफ शाहीन बाग से लेकर देश के दूसरे हिस्से में हुए आंदोलन को भी मुस्लिम तुष्टिकरण और पाकिस्तान, बांग्लादेश प्रायोजित आंदोलन बताया गया।

मध्य पूर्व में उथल-पुथल से भारत-खाड़ी संबंधों के लिए चुनौतियां

जीसीसी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलती है। साथ ही, खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी भारत के साथ व्यापार पर काफी हद तक निर्भर हैं। यह जीसीसी और भारत की संयुक्त कोशिश है, जिससे इस क्षेत्र की तरक्की और खुशहाली में मदद मिलेगी।गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) एक समूह के तौर पर, विकासशील भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जीसीसी के सदस्य देशों के भारत के साथ सांस्कृतिक, आर्थिक और सभ्यतागत संबंध बहुत पुराने हैं। हाल के वर्षों में, यह संबंध पारंपरिक खरीदार–विक्रेता रिश्ते से आगे बढ़कर एक रणनीतिक गठबंधन में बदल गया है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, रक्षा सहयोग और वहां रहने वाले भारतीयों का कल्याण शामिल है। इस क्षेत्र में मौजूद तेल और गैस के बड़े भंडार भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद अहम हैं।जीसीसी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलती है। साथ ही, खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी भारत के साथ व्यापार पर काफी हद तक निर्भर हैं। यह जीसीसी और भारत की संयुक्त कोशिश है, जिससे इस क्षेत्र की तरक्की और खुशहाली में मदद मिलेगी। कई संयुक्त परियोजनाओं के माध्यम से इसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता और समृद्धि को बढ़ाने की क्षमता है। आपसी संबंधों को गहरा करने के लिए व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे और लोगों के बीच आपसी संपर्क में सहयोग बढ़ाना कारगर साबित हुआ है।प्रवासी और रेमिटेंस (विदेश से भेजा गया पैसा)रू दक्षिण एशियाई व्यापार और व्यापक आर्थिक स्थिरता को प्रवासी कामगारों से काफी समर्थन मिलता है। जीसीसी देशों में लगभग 1 करोड़ (10 मिलियन) भारतीय रहते हैं। जीसीसी देशों ने इस क्षेत्र के विकास में भारतीय समुदाय की भूमिका को माना है। यह पश्चिमी एशिया (मुख्य रूप से जीसीसी) और दक्षिण एशिया के बीच व्यापार और रेमिटेंस की स्थिति है, जो हाल के आंकड़ों पर आधारित है। वित्त वर्ष 2024–25 में, भारत को दुनिया भर से रिकॉर्ड 135.46 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला। विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत को सबसे ज्यादा रेमिटेंस मिला है। 2024 में मेक्सिको दूसरे स्थान पर रहा, जहां 68 अरब डॉलर आने का अनुमान है। तीसरे स्थान पर चीन रहा, जहां अनुमानित 48 अरब डॉलर आए।

भारत को मिलने वाले कुल रेमिटेंस में जीसीसी देशों की हिस्सेदारी लगभग 38ः है, जो इस क्षेत्र में बड़ी आर्थिक आमद का जरिया है। भारत में रेमिटेंस पर निर्भरता कुछ खास इलाकों तक सीमित हैय अकेले यूएई से भारत को कुल रेमिटेंस का लगभग 19.2ः हिस्सा मिलता है। इसके बाद सऊदी अरब का स्थान है, जहां से 6.7ः रेमिटेंस आता है। भारत में आने वाले कुल रेमिटेंस (हर साल लगभग +27दृ28 बिलियन) में महाराष्ट्र का हिस्सा करीब 20.5ः है, और केरल का हिस्सा करीब 19.7ः (लगभग +26दृ27 बिलियन) है। इसलिए, खाड़ी देशों (गल्फ) में मंदी का इन दोनों राज्यों पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है।

भारत–जीसीसी व्यापार जीसीसी की कुल आबादी 6.15 करोड़ (61.5 मिलियन) है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) +2.3 ट्रिलियन है। कुल द्विपक्षीय व्यापार (वित्त वर्ष 2024–25) +178.56 बिलियन का है। सितंबर 2025 तक भारत में जीसीसी का कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) +31.14 बिलियन से ज्यादा हो गया है। भारत इंजीनियरिंग का सामान, चावल, कपड़ा, मशीनरी, रत्न और आभूषण एक्सपोर्ट करता हैय और कच्चा तेल, द्रवरूप प्राकृतिक गैस (एलएनजी), पेट्रोकेमिकल्स और सोना जैसी कीमती धातुएं इंपोर्ट करता है। वित्त वर्ष 2024–25 में भारत–खाड़ी व्यापार रिकॉर्ड +178.56 बिलियन तक पहुँच गया, जो भारत के कुल ग्लोबल व्यापार का 15.42ः है। इसमें +56.87 बिलियन का एक्सपोर्ट और +121.68 बिलियन का इंपोर्ट शामिल है कृ जिससे जीसीसी भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर ब्लॉक बन गया है, जो भारत के ग्लोबल व्यापार का 15.42ः है।

खेल में अपनी प्रतिभा को पहचाने और भविष्य संवारें

बस्तर – सरगुजा ओलंपिक सहित राष्ट्रीय खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स से निखरी छत्तीसगढ़ के युवा पीढ़ी की पहचान

तेजबहादुर सिंह भुवाल, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

एक समय था जब यह माना जाता था कि केवल पढ़ाई–लिखाई ही उज्ज्वल भविष्य और अच्छी नौकरी का मार्ग है। इसी सोच को दर्शाते हुए कहा जाता था– श्पढ़ोगे–लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे–कूदोगे बनोगे खराब।य लेकिन आज का भारत इस धारणा को पूरी तरह बदल चुका है।इसलिए आज के दौर में यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल पढ़ाई–लिखाई ही सफलता का एकमात्र मार्ग है। यदि किसी में खेल के प्रति जुनून, अनुशासन और समर्पण है, तो वह खेलों के माध्यम से भी अपने सपनों को साकार कर सकता है। शिक्षा और खेल, दोनों मिलकर व्यक्तित्व का समग्र विकास करते हैं तथा जीवन में सफलता के नए द्वार खोलते हैं।

खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, अनुशासन और सफलता की ऐसी पाठशाला है, जहाँ से भविष्य के विजेता तैयार होते हैं। आज खेलों में करियर की असीम संभावनाएँ हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान, रोजगार, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक पहचान मिल रही है। ऐसे समय में प्रत्येक युवा के लिए आवश्यक है कि वह अपनी खेल प्रतिभा को पहचाने और उसे सही दिशा देकर अपने भविष्य को संवारे।

हर बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष क्षमता होती है। किसी की गति उसे उत्कृष्ट धावक बनाती है तो किसी की फुर्ती कबड्डी, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, तीरंदाजी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल या अन्य खेलों में सफलता दिला सकती है। यदि प्रतिभा को समय पर प्रशिक्षण और अवसर मिले, तो वही खिलाड़ी प्रदेश और देश का गौरव बनता है।

खेलों का सबसे बड़ा योगदान यह है कि वे जीवन के महत्वपूर्ण गुणों का विकास करते हैं। अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, समय प्रबंधन और संघर्ष का साहस खेल के मैदान में ही सीखा जाता है। यही गुण आगे चलकर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नींव रखते हैं।

छत्तीसगढ़ में खेलों को नया स्वरूप देने की दिशा में राज्य शासन ने उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने तथा खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार, खेल अकादमियों को सुदृढ़ करना तथा विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसी के साथ ही इस वर्ष से छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया है।विशेष रूप से बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी अभिनव पहल ने खेलों को गाँव–गाँव तक पहुँचाया है। इन आयोजनों ने दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। परंपरागत खेलों के साथ आधुनिक खेलों को भी बढ़ावा देकर हजारों युवाओं, महिलाओं और बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। इन प्रतियोगिताओं ने यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने की क्षमता रखते हैं।

इसके साथ ही विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं, ग्रामीण खेल आयोजनों, प्रतिभा खोज कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से नई प्रतिभाओं की पहचान की जा रही है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, सम्मान और विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तर पर कई पुरस्कार प्रदान करती है। जिसमे गुंडाधुर सम्मान शामिल है। यह छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण के तहत दिया जाने वाला सर्वोच्च खेल पुरस्कार है। यह पुरस्कार बस्तर के वीर नायक गुंडाधुर की स्मृति में, खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है। दूसरा महाराज प्रवीरचंद भंजदेव के नाम पर है। यह पुरस्कार विशेष रूप से तीरंदाजी के खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ में खेल प्रोत्साहन योजना भी शुरू की गई है, जिससे युवाओं में खेल का अवसर प्राप्त हो सके।

छत्तीसगढ़ के कई ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, जो छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। वर्तमान में ज्ञानेश्वरी यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ग्लासगो) में महिला 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। अमितेश कुजूर ने राष्ट्रमंडल खेल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसी प्रकार अन्य खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतकर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

आज खेल केवल खिलाड़ी बनने तक सीमित नहीं हैं। खेल प्रशिक्षक, फिटनेस विशेषज्ञ, खेल प्रबंधन, खेल विज्ञान, खेल पत्रकारिता और खेल प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए रोजगार और करियर के नए अवसर उपलब्ध हैं। इसलिए खेल को अब केवल शौक नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण के प्रभावी माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए।

अभिभावकों और शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की रुचि और क्षमता को पहचानें तथा उन्हें खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। पढ़ाई और खेल एक–दूसरे के पूरक हैं। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही उत्कृष्ट शिक्षा और सफल जीवन का आधार बनते हैं।आज जब डिजिटल दुनिया बच्चों को मैदान से दूर कर रही है, तब आवश्यकता है कि उन्हें फिर से खेल मैदानों की ओर प्रेरित किया जाए। मैदान में बिताया गया समय केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, सोच और नेतृत्व क्षमता ो भी मजबूत बनाता है।खेल हमें सिखाते हैं कि हर जीत के पीछे निरंतर अभ्यास, अनुशासन और संघर्ष छिपा होता है। इसलिए अपनी प्रतिभा को पहचानिए, शासन, प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों का भरपूर लाभ उठाइए और बस्तर ओलंपिक, सरगुजा ओलंपिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय जैसे आयोजनों को अपने सपनों की उड़ान का मंच बनाइए।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप कुछ क्रिएटिव करेंगे जिससे आप सेल्फ मोटीवेट होंगे।

वृष राशि–
आज आपका दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। आज आपको रोजगार मिलने के शुभ संकेत है। आज आपको आपके काम में घर के बड़े बुजुर्गों का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि–
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी काम में आपको अनुभवी व्यक्ति से मदद मिलने की संभावना है। परिवार वालों के साथ शॉपिंग करने का प्लान बनायेंगे।

कर्क राशि–
आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। बिजनेस के किसी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है ये यात्रा आपके निकट भविष्य के लिए काफी लाभदायक रहेगी।

सिंह राशि–
आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आज आप अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के पूरा होने की खुशी सेलेब्रेट करेंगे।

कन्या राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके व्यापार में रोज से ज्यादा लाभ होने की संभावना है। आज पैसों के लेन–देन में सावधानी बरतें।

तुला राशि–
आज का दिन फायदेमंद साबित होने वाला है। इस राशि के छात्रों के करियर में नया बदलाव आयेगा,

वृश्चिक राशि–
आज आपका दिन ठीक–ठाक रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

धनु राशि–
आज का दिन आपके जीवन में खुशियां लेकर आएगा7 आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होंगी जो आने वाले भविष्य में आपके लिए बहुत ही लाभदायक साबित हो सकता है।

मकर राशि–
आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज आपको अचानक नए स्रोतों से हुआ धन लाभ आपकी आर्थिक स्थिति को संतुलित कर देगा।

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए नई ऊर्जा लेकर आएगा। आज आप सारा दिन खुद को एनरजेटिक फील करेंगे काम मे भी मन लगेगा।

मीन राशि–
आज आपका दिन शानदार रहने वाला है आज पारिवारिक मामलों को लेकर आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। ऑफिस के कार्य समय से पूरे होते रहेंगे। आज बच्चों के साथ आपका समय अच्छा बीतेगा। किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को लेकर बड़े भाई से विचार विमर्श करेंगे और उचित फैसला ले पाएंगे।

जयन्ती पर याद किये गये मुंशी प्रेमचन्द्र: उपन्यासों, कहानियों पर चर्चा

बस्ती । वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा शुक्रवार को उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचन्द्र को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर के निकट में वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि जब तक देश में गरीबी, असमानता, अशिक्षा है प्रेमचंद्र का साहित्य प्रांसगिक बना रहेगा ।मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि महान साहित्यकार, हिंदी लेखक और उर्दू उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। मुंशी प्रेमचंद ने अपने जीवन काल में कई रचनाएं लिखी हैं। जिसमें गोदान, कफन, दो बैलों की कथा, पूस की रात, ईदगाह, ठाकुर का कुआं, बूढ़ी काकी, नमक का दरोगा, कर्मभूमि, गबन, मानसरोवर, और बड़े भाई साहब समेत कई रचनाएं शामिल हैं ।वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद ने अपने पूरे जीवन काल में 12 से अधिक उपन्यास और 250 कहानियां समेत कई निबंध लिखे। इसके अलावा उन्होंने कई विदेशी साहित्य का हिंदी में अनुवाद भी किया। मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को उत्तर प्रदेश में वाराणसी के लम्ही गांव में हुआ था। मुंशी प्रेमचंद ने अपने जीवन के कई वर्ष गरीबी और आर्थिक तंगी में गुजारे। लेकिन इन सबके बाद भी मुंशी प्रेमचंद ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर अनेक रचनाओं को सूचीबद्ध किया। लंबी बीमारी के कारण, 8 अक्टूबर 1936 को मुंशी प्रेमचंद का निधन हुआ ।मुख्य वक्ता बी.के. मिश्रा ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद की साहित्यकार, कहानीकार और उपन्यासकार रूप में चर्चा अक्सर होती है। पर उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया जाता है। जंगे–आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता ब्रिटीश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। इसकी बानगी प्रेमचंद द्वारा सम्पादित काशी से निकलने वाले दो पत्रों 'जागरण' और 'हंस' की टिप्पणीयों–लेखों और संपादकीय में देखा जा सकता है ।प्रेमचंद जयंती पर आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने प्रेमचन्द के साहित्य के सरोकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि उन्होंने 1914 में उन्होने हिंदी में लिखना शुरू किया। पहला हिंदी लेखन सौत सरस्वती पत्रिका में दिसंबर के महीने में 1915 में और सप्त सरोज के जून के महीने में 1917 में प्रकाशित हुआ था ।अध्यक्षता करते हुये बटुकनाथ शुक्ल ने कहा कि गोरखपुर में, उन्होंने कई पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद किया। उनका पहला हिंदी उपन्यास सेवा सदन (मूल भाषा बाजार–ए–हुस्न शीर्षक से उर्दू थी) 1919 में हिंदी में प्रकाशित हुआ था। इलाहाबाद से बीए की डिग्री पूरी करने के बाद उन्हें वर्ष 1921 में स्कूलों के उप निरीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया था। उन्होंने 8 फरवरी 1921 को गोरखपुर में आयोजित एक बैठक में भाग लेने के बाद सरकारी नौकरी से इस्तीफा देने का फैसला किया, जब महात्मा गांधी ने लोगों से असहयोग आंदोलन में शामिल होने के लिए कहा ।कार्यक्रम के दूसरे चरण में वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल जगमग के संयोजन में हुये कवि सम्मेलन में मुख्य रूप से डा. राजेन्द्र सिंह 'राही', दीपक सिंह प्रेमी, रहमान अली रहमान, अजमत अली सिद्दीकी, संजीव पाण्डेय, सामईन फारूकी, संजीव पाण्डेय, ओम प्रकाश पाण्डेय आदि ने रचनाये प्रस्तुत कर मुंशी प्रेमचन्द्र को नमन किया।

ग्राहक सेवा केंद्र में सेंधमारी, नकदी, लैपटॉप सहित अन्य जरूरी सामान लेकर चोर फरार

बस्ती। हरैया थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात चोरों ने पुलिस की चौकसी को खुली चुनौती देते हुए दो प्रतिष्ठानों में सेंध लगा दी। उभाई ए लेकर मुर्दहवा घाट तक बेखौफ चोर ग्राहक सेवा केंद्रों के ताले तोड़कर हजारों रुपये की नकदी, लैपटॉप और अन्य कीमती सामान समेट ले गए। सुबह घटना की जानकारी होते ही इलाके में हड़कंप मच गया ।मुर्दहवा घाट स्थित एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र में चोर पीछे से दीवाल काट कर घुस गए। उन्होंने केंद्र का ताला तोड़कर करीब 36 हजार रुपये नकद, एक लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर हाथ साफ कर दिया। वहीं, उभाई चौराहे पर स्थित एक अन्य ग्राहक सेवा केंद्र से भी नकदी और सामान चोरी होने की सूचना है ।घटना की जानकारी मिलते ही हरैया थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट समेत अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं ।ग्राहक सेवा केंद्र संचालक सतीश कुमार मिश्र ने बताया रोज की तरह गुरुवार की रात केंद्र बंद करके घर चला गया था। सुबह पहुंचने सामान बिखरा मिला। दुकान के पीछे से दीवाल काटकर चोरों द्वारा अंदर रखा करीब 36 हजार रुपये नकद, लैपटॉप और अन्य जरूरी सामान गायब था। घटना से काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने पुलिस से जल्द से जल्द चोरी का खुलासा करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि पीड़ित संचालकों की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का दावा किया

आजाद समाज पार्टी ने डा. मोहम्मद आकिब को घोषित किया रुधौली विधानसभा का प्रभारी

बस्ती। आगामी विधानसभा चुनावों की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गयी है। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पार्टी के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एवं प्रदेश महासचिव डॉ. मोहम्मद आकिब को रुधौली विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।डॉ. मोहम्मद आकिब को सांसद चंद्रशेखर आजाद का करीबी सहयोगी माना जाता है। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि संघर्ष के शुरुआती दौर से ही वह चंद्रशेखर आजाद के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं और संगठन को मजबूत बनाने में लगातार भूमिका निभाते रहे हैं। बताया जाता है कि डॉ. मोहम्मद आकिब लंबे समय से रुधौली विधानसभा क्षेत्र के लोगों के सुख–दुख में सहभागी बनकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत हैं। सामाजिक सरोकारों और जनसेवा के कार्यों के कारण क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। पार्टी नेताओं का मानना है कि डॉ. मोहम्मद आकिब के नेतृत्व में रुधौली विधानसभा में संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने में गति आएगी। डॉ. मोहम्मद आकिब को रुधौली विधानसभा का प्रभारी बनाए जाने पर पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए प्रसन्नता व्यक्त किया।

अमर शहीद दयाशंकर शुक्ला की पुण्य तिथि पर 21 ने किया रक्तदान

बस्ती। शुक्रवार को गौर विकास खण्ड क्षेत्र के पिपरा गोसाईं गांव में अमर शहीद दयाशंकर शुक्ला के 26 वीं पावन पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर, पौधरोपण के साथ ही उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर योगदान पर चर्चा किया गया।ब्लॉक प्रमुख जटाशंकर शुक्ला, डॉ. ममता पाण्डेय, आनंद शुक्ल आदि ने कहा कि 31 जुलाई सन 2000 को जम्मू–कश्मीर के बारामूला की दुर्गम घाटियों में, कारगिल युद्ध के दौरान राष्ट्र की अखण्डता और संप्रभुता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले अमर शहीद दयाशंकर शुक्ला का योगदान सदैव याद किया जायेगा। इस मौके पर संदीप पाण्डेय, प्रशान्त कुमार, आदर्श शुक्ल, उत्कर्ष पाण्डेय, आनन्द शुक्ल, राहुल, उपेन्द्र शुक्ल, अतरेश पाण्डेय, अंश तिवारी, कृष्णा यादव, जय किशन नेता, देवा द्विवेदी, अनिल कुमार गोंड सहित 21 लोगों ने रक्तदान दिया।कार्यक्रम में थानाध्यक्ष गौर अतुल अनजान, वरिष्ठ समाज सेवी बबलू त्रिपाठी, पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा आलोक पाण्डेय, अंकित त्रिपाठी , सौरभ दिवेदी, संदीप तिवारी , अनुराग शुक्ला, अनित शुक्ला, उपेंद्र शुक्ला, देवा द्विवेदी, अंश त्रिपाठी, कृष्णा यादव, निलेश पाण्डेय, विपिन पाण्डेय, संजय पांडेय जी, पंकज पाण्डेय पंकज तिवारी, आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश की तकदीर व तस्वीर बदलेगा 2027 का चुनाव - बृजेश पाठक

सोहावल–अयोध्या। स्वर्गीय मुन्ना सिंह चौहान की समाधि पर पुष्प माला चढ़ाने के साथ अपने संबोधन में सभी नेताओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुन्ना सिंह चौहान के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन अनुपम मिश्रा ने किया। अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि मुन्ना सिंह चौहान किसानों के नेता थे। गरीबों और पीड़ितों की लड़ाई सदन से लेकर सड़क तक लड़ते थे।अगर शासन में भी रहते थे तो किसानों के हित के लिए धरने पर बैठ जाते थे। चौधरी चरण सिंह के पद चिन्हों को आधार बनाकर मुन्ना सिंह चौहान ने राजनीति की और मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न देकर न सिर्फ किसानों का सम्मान किया बल्कि ऐसे नेताओं को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित किया है। स्वर्गीय मुन्ना सिंह चौहान की सियासत और विरासत पर बोलते हुए उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के आयोजक बीकापुर विधायक डाक्टर अमित सिंह चौहान की पीठ थपथपाई और डाक्टर होने के नाते हर समस्या के समाधान का नेता बताया आगामी प्रदेश चुनाव की चर्चा करते हुए श्री पाठक ने मंच छोड़कर माइक लेकर खुद सीधे जनता से जनता से रूबरू होकर कुछ सवाल जवाब किया और कहा आगामी चुनाव प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदलने वाला चुनाव है। सपा का शासन काल 12 से 17 तक रहा है। 17 से 26 तक भाजपा ने शासन किया दोनों कार्यकाल में हुए विकास कार्यों का आकलन करें फिर भाजपा को वोट दें। भाजपा जाति धर्म के आधार पर सियासत नहीं करती विकास के नाम पर वोट मांगती है। सपा ने अपना नाम बदलकर पीडीए कर लिया है। नाम वही बदलते हैं। जिनके पास गंदगी होती है और कोई काम नहीं होता। आए हुए अतिथियों का स्वागत विधायक अमित सिंह चौहान ने किया।

जिला कारागार से दुष्कर्म का आरोपी फरार, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवालय डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण

गोरखपुर जिला कारागार की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के आरोप में बंद एक बंदी शुक्रवार सुबह जेल की दीवार फांदकर फरार हो गया। घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने नाकाबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया, जबकि देर शाम जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार पहुंचकर पूरे मामले का जायजा लिया।जानकारी के अनुसार बांसगांव क्षेत्र के सरसोपार निवासी विपिन, जो दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के मामले में 18 जुलाई से जिला कारागार में बंद था, शुक्रवार सुबह करीब 9रू30 बजे जेल परिसर से सटी नई बाउंड्री वाल के पास स्थित बगिया में अन्य 48 बंदियों के साथ काम करने गया था। आरोप है कि इसी दौरान वह मौके का फायदा उठाकर पहले एक पेड़ पर चढ़ा और फिर जेल की दीवार फांदकर फरार हो गया।

बंदी के फरार होने की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन में अफरा–तफरी मच गई। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए। हालांकि समाचार लिखे जाने तक फरार बंदी का कोई सुराग नहीं मिल सका। ड्यूटी पर तैनात बंदी रक्षक निजामुद्दीन से पूछताछ की जा रही है। जेल सूत्रों के अनुसार 27 जुलाई को आरोपी से उसकी बहन मिलने भी आई थी।

शाम करीब 5रू30 बजे जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला कारागार पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने जेल का निरीक्षण किया, सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। फरार बंदी की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं, वहीं सुरक्षा में हुई चूक की जांच भी शुरू कर दी गई है।

मण्डल स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए छह खिलाड़ियों का चयन

बस्ती। जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को महेश प्रताप इंटरमीडिएट कॉलेज, रुधौली में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक प्रदीप सिंह एवं मंडलीय क्रीड़ा सचिव अमित कुमार यादव ने दीप प्रज्वलित कर तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया विद्यालय के प्रधानाचार्य राम सुबास वर्मा ने सभी खिलाड़ियों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु एवं भार वर्गों में कुल 30 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला बालिका वर्ग अंडर–14 में प्रिया प्रजापति और अंकिता यादव के बीच खेला गया, जिसमें अंकिता यादव ने जीत दर्ज की। वहीं, अंडर–17 बालिका वर्ग में अनन्या भट्ट और जन्नतुल निशा के बीच हुए मुकाबले में जन्नतुल निशा विजयी रहीं।प्रतियोगिता के आधार पर बालिका वर्ग में अर्चना यादव, अंकिता यादव और नेहा, जबकि बालक वर्ग में दिव्यांश भट्ट, आकाश यादव और अनुज यादव का चयन विभिन्न आयु एवं भार वर्गों में मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। मंडल स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 1 अगस्त 2026 को सिद्धार्थनगर जनपद में होगा।प्रतियोगिता का संचालन जनता इंटर कॉलेज पोखरा बाजार के शारीरिक शिक्षक प्रभाकर ओझा, रमेश चंद्र गुप्ता, विवेक कुमार श्रीवास्तव और युद्धवीर सिंह की देखरेख में हुआ। रेफरी की जिम्मेदारी सुहेल अहमद और राकेश कुमार ने निभाई।समापन अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक प्रदीप सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजक विद्यालय के शारीरिक शिक्षक संतोष कुमार पाण्डेय ने किया।

स्वास्तिक जनरल स्टोर में आगजनी का आरोप, मकान विक्रेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के हड़िया चौराहे पर स्थित स्वास्तिक जनरल स्टोर में आग लगाने का आरोप लगाते हुए हड़िया निवासी विकास जायसवाल ने थाना पुरानी बस्ती में तहरीर देकर ग्राम अमौली निवासी हैदर अली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की मांग की है।पुलिस को दिए तहरीर के अनुसार, विकास जायसवाल वर्ष 2018 से मेहदावल रोड स्थित मिशन एकेडमी स्कूल के निकट, हड़िया चौराहे पर किराये के मकान में स्वास्तिक जनरल स्टोर का संचालन कर रहे थे। उनका आरोप है कि उन्होंने 6 मार्च 2026 को उक्त मकान को 35 लाख रुपये में खरीदकर बैनामा कराया था, लेकिन दस्तावेजों में त्रुटि होने के कारण दाखिल–खारिज की प्रक्रिया रुक गई। कई बार अनुरोध के बावजूद विक्रेता हैदर अली ने दस्तावेजों में सुधार नहीं कराया, जिससे दोनों के बीच विवाद और रंजिश बढ़ गई। विकास जायसवाल का कहना है कि इसी रंजिश के चलते 27 जुलाई 2026 की रात करीब 11 से 12 बजे के बीच हड़िया चौराहे पर स्थित स्वास्तिक जनरल स्टोर में आग लगा दी गई, जिससे लगभग 30 लाख रुपये का नुकसान हुआ। उनका कहना है कि घटना के समय उनके पिता प्रेमचन्द ने घटनास्थल के आसपास हैदर अली को देखा था। वहीं, दुकान के समीप रहने वाले गोपी चौहान ने भी कथित रूप से आग लगी हुई देखी तथा हैदर अली को अपनी अर्टिगा कार (यूपी–32 एनएच–3129) से घटनास्थल से तेज गति से अपने घर की ओर जाते हुए देखने का दावा किया है।

तहरीर में यह भी कहा गया है कि घटना से लगभग एक सप्ताह पूर्व हैदर अली ने उन्हें बर्बाद करने की धमकी दी थी। विकास जायसवाल ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

गैस एजेन्सी पर तोड़फोड़, कर्मचारियों को मारा पीटा: प्रबंधक ने किया दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के दौलतपुर के निवासी और बारीघाट में संचालित उदय एच.पी. गैस एजेन्सी के प्रबंधक धीरेंद्र कुमार ने थाना लालगंज में तहरीर देकर कुछ नामजद एवं अन्य अज्ञात लोगों पर गैस एजेन्सी में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।लालगंज थानाध्यक्ष को दिये तहरीर में धीरेन्द्र कुमार ने कहा है कि गत 30 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 3.20 बजे कुछ लोग लाठी–डंडा और लोहे की रॉड लेकर गैस एजेसी पर पहुंचे और जाति सूचक भद्दी–भद्दी गालियां देते हुये । कर्मचारियों के साथ गाली–गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद कार्यालय में रखे कंप्यूटर, फर्नीचर, दरवाजे, कैमरे तथा अन्य सामान में तोड़फोड़ की गई, जिससे पेट्रोल पंप को आर्थिक नुकसान पहुंचा। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि हमलावरों ने प्रबंधक एवं कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी दी। शोर–शराबा होने और पुलिस के पहुंचने की सूचना मिलने पर सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को बताया है कि घटना की पूरी रिकॉर्डिंग गैस एजेन्सी के सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है, जिसे जांच के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने आरोपियों उमेश, संगीता, भुईला, रम्भू, पप्पू निषाद, सुरेमा, पूनम आदि के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर शीघ्र गिरफ्तारी तथा कानूनी कार्रवाई की मांग की है, ताकि गैस ऐजेन्सी का संचालन सुरक्षित रूप से हो सके। लालगंज पुलिस तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डा.बृजकिशोर होम्योपैथिक मेडिकल कालेज में होगा सुविधाओं का विकास

अयोध्या। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने शुक्रवार को देवकाली स्थित राजकीय डॉ. बृजकिशोर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का निरीक्षण कर चिकित्सा एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्राचार्य डॉ. आशीष सिंह ने महाविद्यालय के जर्जर एप्रोच मार्ग और अन्य आधारभूत सुविधाओं की समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। एप्रोच मार्ग की खराब स्थिति पर विधायक ने मौके पर ही पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को बुलाकर सड़क की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। परिसर में बारिश में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक उपाय करने को कहा। वहीं प्रशासनिक भवन से जुड़ने वाले मार्ग पर फैली गंदगी को देखते हुए नगर निगम से समन्वय कर तत्काल सफाई कराने तथा सड़क निर्माण का अनुमान तैयार कर शीघ्र कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्राचार्य ने अस्पताल में मरीजों की सुविधा बढ़ाने के लिए ऑटो बायोकैमिस्ट्री एनालाइजर, ऑटो एनालाइजर, ईसीजी मशीन, सोलर लाइट, आरओ प्लांट सहित अन्य वस्तुओं की आवश्यकता बताई। इस पर विधायक ने शासन स्तर पर वार्ता कर आवश्यक संसाधन शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। विधायक ने महाविद्यालय की लाइब्रेरी, बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), आंतरिक रोगी विभाग (आईपीडी), क्लीनिकल प्रयोगशाला, स्किल लैब तथा ऑडिटोरियम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान शिक्षकों और छात्र–छात्राओं से संवाद कर उपलब्ध सुविधाओं तथा उन्हें और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी लिए। कालेज परिसर में पौधरोपण किया। महाविद्यालय में आयोजित नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत विधायक ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि उनके पिता स्वर्गीय कांती लाल गुप्ता होम्योपैथी चिकित्सक थे, इसलिए उनका इस चिकित्सा पद्धति से विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में सुविधाओं के विस्तार के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विकास मिश्र, प्रो. राजुल सिंह, प्रो. सी. एस. यादव, प्रो. चंद्रमुखी, डॉ. संजय सिंह, डॉ. शैलेश यादव तथा भाजपा मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नाबालिग से छेड़खानी के मामले में 42 वर्षीय आरोपी को कम्मरपुर भट्ठे के पास से किया गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना बरदह पुलिस ने नाबालिग बालिका से छेड़खानी के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।दिनांक 29.07.2026 को वादिनी ने थाना बरदह पर तहरीर दी कि उसकी नाबालिग पुत्री गांव के जनरल स्टोर से टॉफी लेकर घर लौट रही थी, तभी रास्ते में आरोपी सिन्दल पुत्र तपसी ने उसके साथ छेड़खानी किया। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना बरदह पर मु0अ0सं0 259‌ 2026 धारा 74 बीएनएस एवं 9ड‌10 पॉक्सो एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई।दिनांक 31.07.2026 को उ0नि0 पुनीत कुमार श्रीवास्तव मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त सिन्दल पुत्र तपसी निवासी ग्राम विजौली, थाना बरदह, जनपद आजमगढ़, उम्र 42 वर्ष, को कम्मरपुर भट्ठे के पास से समय करीब 13रू00 बजे गिरफ्तार किया गया।

आपरेशन दहन के तहत अपमिश्रित शराब बनाने में प्रयुक्त लाखों रुपये का मुकदमाती माल हुआ नष्ट

आजमगढ़ (आर एन एस)पुलिस महानिदेशक महोदय के आदेश के क्रम में मुकदमाती माल के निस्तारण हेतु चलाए जा रहे अभियान ष्ऑपरेशन दहनष के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में दिनांक 30.07.2026 को मा० न्यायालय एफटीसी–2, जनपद आजमगढ़ के आदेशानुसार थाना पवई पर पंजीकृत मु0अ0सं0 30/2021, धारा 419/420.467/468/272/273 भादवि एवं 60।72 आबकारी अधिनियम से संबंधित मुकदमाती माल का विधिक प्रक्रिया के तहत निस्तारण कराया गया। निस्तारित किए गए माल में 100 अदद क्यूआर कोड, 1000 सीसी के 100 अदद ढक्कन, 400 लीटर स्प्रिट शराब, 624 पऊवा अपमिश्रित देशी शराब, 07 किलोग्राम यूरिया, 01 किलोग्राम नौसादर, 71 अदद खाली गत्ता, 01 अदद एल्कोहल मीटर, 01 अदद पैकिंग मशीन तथा 12,000 रुपये नकद शामिल रहे।मुकदमाती माल का निस्तारण उपजिलाधिकारी फूलपुर अशोक कुमार की उपस्थिति में कराया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष पवई मनीष पाल, मुख्य आरक्षी अखिलेश कुमार सहित थाना पवई के अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। अभियान के तहत मुकदमाती माल का विधिसम्मत निस्तारण कर न्यायालय के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया गया।

उत्तर प्रदेश जल निगम स्टोर से चोरी करने वाला आरोपी चोरी के सामग्री सहित गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना निजामाबाद पुलिस को सफलता प्राप्त हुई। दिनांक 30.07.2026 को चौकी प्रभारी फरिहा उ0नि0 चित्रांशु मिश्रा मय पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्ति की चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर गन्धुवई कोल्ड स्टोरेज के पास से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की तलाशी में 02 अदद डी–ज्वाईन्ट एवं 06 अदद सिलेण्डर विद लाइनर बरामद हुए, जो फरिहा स्थित उत्तर प्रदेश जल निगम के स्टोर से चोरी किए गए थे।उल्लेखनीय है कि दिनांक 28.07.2026 को उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) के अधिशासी अभियन्ता द्वारा थाना निजामाबाद पर तहरीर देकर अवगत कराया गया था कि 26.07.2026 की शाम फरिहा स्थित जल निगम स्टोर परिसर से ब्लसपदकमत ोमउइसल ब्वउचसमजम, ब्लसपदकमत ूपजी स्पदमत, क–श्रवपदज तथा अन्य सरकारी सामग्री अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में थाना निजामाबाद पर मु0अ0सं0 191‌2026 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था।

युवक पर जानलेवा हमले का आरोप, पीड़ित परिवार ने किया आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के हड़िया निवासी सुनील चौहान ने गांव के ही कुछ लोगों पर अपने भाई संजय चौहान पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के कई दिन बाद भी मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे परिवार दहशत में है।पीड़ित सुनील चौहान के अनुसार, 28 जुलाई 2026 की शाम करीब 5 बजे उनका भाई संजय चौहान रोजगार से घर लौटने के बाद नहाकर घर से लगभग 50 मीटर दूर किसी कार्य से गया था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के दूधनाथ उर्फ डी.एन. चौधरी, उसके पुत्र आदित्य और आयुष तथा एक अज्ञात व्यक्ति ने मिलकर संजय चौहान पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान हो गया। सुनील चौहान का कहना है कि सूचना मिलने पर जब वह मौके पर पहुंचे तो आरोपित उनके भाई पर बंदूक से हमला करने की कोशिश कर रहे थे। किसी तरह भाई को बचाकर जिला अस्पताल बस्ती पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए पहले रेफर कर दिया। पीड़ित का कहना है कि बाद में स्थिति में सुधार न होने पर उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि नामजद आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। उनका कहना है कि आरोपी लगातार उन्हें और उनके परिवार को धमकी दे रहे हैं, जिससे परिवार भय के माहौल में जी रहा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर कठोर कानूनी कार्रवाई करने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

समूहो को स्थानीय संसाधनो से जोड़कर बनाएं सशक्त : डीएम

-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की योजनाओं की समीक्षा
-स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर एवं उद्यमी बनाने पर दिया जोर

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वयं सहायता समूहों के सु.ढ़ीकरण, उद्यम विकास, विपणन, आजीविका संवर्धन तथा रोजगार सृजन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।डीएम ने स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं मैपिंग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि समूहों को स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए। उन्होंने जनपद के ओडीओपी एक जनपद, एक उत्पाद के अंतर्गत तैयार किए जा रहे गणेश प्रतिमा एवं खिलौनों की सराहना करते हुए कहा कि जनपद में आने वाले विशिष्ट अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों को पारंपरिक बुके के स्थान पर स्थानीय उत्पाद भेंट किए जाएं। एचसीएल फाउंडेशन द्वारा कैमोमाइल के माध्यम से सरसों की खरीद तथा अरहर उत्पादन की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए हा कि यदि जनपद में ही उत्पादों का प्रसंस्करण एवं विनिर्माण किया जाए तो स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आय के अवसरों में और वृद्धि होगी। जिला चिकित्सालय में संचालित प्रेरणा कैंटीन की समीक्षा करते हुए वर्तमान संचालन व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैंटीन में मिलेट आधारित खाद्य सामग्री तथा ओडीओपी के उत्पादों को प्रमुखता से उपलब्ध कराया जाए। सभी कैंटीनों में निर्धारित मेन्यू अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि नाफेड के माध्यम से उपलब्ध मिलेट आधारित उत्पादों का उपयोग सरकारी कार्यालयों एवं बैठकों में किया जाए। डेयरी गतिविधियों की समीक्षा के दौरान स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित दुग्ध उत्पादन एवं विपणन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मऊ, मानिकपुर एवं पहाड़ी विकास खंडों के खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिषदीय विद्यालयों में संचालित कैंटीनों का नियमित निरीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि संचालन पूर्णतः स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कैंटीन संचालन में किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए।बैठक में ग्राम पंचायत बगरेही में अमरूद उत्पादन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि बंदरों द्वारा फलों एवं फूलों को नुकसान पहुंचाए जाने से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इस पर डीएम ने संबंधित अधिकारियों को प्रभावी समाधान एवं संरक्षणात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मऊ क्षेत्र में मूज से निर्मित उत्पादों की जानकारी प्राप्त करते हुए इन उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की तथा निर्देश दिए कि इनके विपणन के लिए ब्लॉक एवं तहसील स्तर की कैंटीनों में बिक्री की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिला कलक्ट्रेट परिसर में स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित मॉडल कैंटीन स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टार्टअप फंड की समीक्षा करते हुए विशेष रूप से पहाड़ी विकास खंड की प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिए। आरएफ एवं सीआईएफ की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित अधिकारी प्रगति में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करें। टीएचआर के संबंध में निर्देश दिए कि कार्यकुशल स्वयं सहायता समूहों को ही प्राथमिकता दी जाए तथा कच्चे माल की खरीद भी यथासंभव स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों, जैसे परानू बाबा, लालापुर एवं अन्य प्रमुख स्थलों पर प्रेरणा मॉडल कैंटीन स्थापित की जाएं।.षि विभाग के एफपीओ से समन्वय स्थापित कर समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीद एवं विपणन के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। स्थानीय उत्पाद महुआ से निर्मित सामग्री को भी कैंटीनों में स्थान दिया जाए।बैठक के अंत में डीएम ने खंड विकास अधिकारियों, जिला मिशन प्रबंधक एवं ब्लॉक मिशन प्रबंधकों को निर्देशित किया कि कार्यालयों में उपयोग होने वाली स्टेशनरी, फाइल फोल्डर, पेन, पेंसिल एवं अन्य आवश्यक सामग्री स्वयं सहायता समूहों से ही क्रय की जाए।

जबरन बाजार बंदी तय करने से खफा व्यापारियों ने सौपा ज्ञापन

मऊ (चित्रकूट)। व्यापारियों ने संगठन से इतर बैठक कर दुकान बंदी के बारे में निर्णय ले लिया और दुकानदारों को शनिवार को बंदी के लिए व्हाटस एप व अनाउंस कर जानकारी दिया। इसके विरोध में कस्बे के व्यापारियों ने एसडीएम को पत्र सौपकर दुकान बंदी न कराने की मांग की है। शुक्रवार को भारतीय उद्योग मंडल के अध्यक्ष सरयू प्रसाद केसरवानी, आशुतोष, राजकुमार, सुमित, राकेश, रूपेश, ओंकारनाथ, कमलेश, सत्य प्रकाश आदि दर्जनों व्यापारियों ने एसडीएम को सौपे छह सूत्रीय ज्ञापन में कहा कि बाजार में किसी के भी द्वारा अगर जबरन बंदी कराई गई तो व्यापारी इसका विरोध करेंगें। बंदी के नाम पर जुर्माना, वसूली स्वीकार नहीं हैं। कहा कि एसडीएम के नाम से बाजार बंद करा रहे हैं। इस पर एसडीएम ने कहा कि उन्होने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया। व्यापारियों ने कहा कि व्यापार मंडल में राजनीतिकरण होने से बचाया जाए। व्यापारियों के व्हाटस एप पर भेजे जा रहे मैसेज व अनाउस पर रोक लगाई जाए।

गोतस्करी गैंग का खुलासा पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश घायल, तमंचा व बाइक बरामद

आजमगढ़, (आर एन एस)आजमगढ़ पुलिस ने गोतस्करी के एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक अवैध .315 बोर तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई है। घटना थाना अतरौलिया क्षेत्र की है।पुलिस के अनुसार, 24 जुलाई 2026 को अचलीपुर अंडरपास के पास वाहन चेकिंग के दौरान गोवंशीय पशुओं से लदी एक पिकअप को रोकने का प्रयास किया गया था। चालक वाहन लेकर फरार हो गया और पूर्वांचल गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा का बैरियर तोड़ते हुए गोपालीपट्टी नहर के पास पिकअप छोड़कर दो साथियों के साथ भाग निकला। पुलिस ने मौके से पांच प्रतिबंधित गोवंशीय पशुओं को मुक्त कराया और एक मोबाइल फोन बरामद किया। इस मामले में गोवध निवारण अधिनियम एवं पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।विवेचना के दौरान संतोष यादव, संतोष सरोज तथा शमीम के नाम प्रकाश में आए। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया गया।शुक्रवार तड़के करीब 4रू20 बजे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर सुखीपुर के पास पुलिस संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर आरोपितों ने कथित रूप से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में संतोष यादव (24) पुत्र निरंजन यादव निवासी समस्तीपुर, थाना जहानागंज, जनपद आजमगढ़ के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। उसके दो साथी मौके से फरार होने में सफल रहे।गिरफ्तार आरोपित के कब्जे से एक अवैध .315 बोर तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई। इस संबंध में थाना अतरौलिया में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) तथा आर्म्स एक्ट की धाराओं 3्25्27 के तहत नया मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार संतोष यादव हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ लूट, गोवध, गैंगस्टर, आर्म्स एक्ट, धोखाधड़ी, हत्या के प्रयास सहित विभिन्न मामलों में करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं।

15 दिन के भीतर गजट प्रकाशित कर सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश

आजमगढ़, (आर एन एस)नगर निकायों में अपशिष्ट प्रबन्धन नियम–2026 के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार पटेल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय संजीव ओझा की उपस्थिति में जनपद के समस्त नगर निकायों में अपशिष्ट प्रबन्धन से संबंधित कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि गजट का 15 दिन के भीतर प्रकाशन सुनिश्चित करते हुए उसकी सूचना उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप नगर निकायों में स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबन्धन की व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाया जाए तथा कार्यों में किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए।बैठक में डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए शत–प्रतिशत घरों एवं प्रतिष्ठानों से नियमित कूड़ा संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कूड़े के स्रोत पर पृथक्करण, संग्रहण एवं वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण की व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही नगर निकायों में स्थापित एवं प्रस्तावित एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटरों, फीकल स्लज एवं सेफ्टेज मैनेजमेंट, ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था तथा स्वच्छता संबंधी अन्य कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबन्धन एवं निस्तारण की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए तथा नगर क्षेत्रों में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी की जाए।बैठक में डेडिकेटेड कंट्रोल रूम की व्यवस्था एवं उसके संचालन की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने तथा नियमित रूप से इसकी मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए गए।मुख्य विकास अधिकारी ने स्वच्छ सर्वेक्षण के विभिन्न मानकों की भी समीक्षा करते हुए नगर निकायों को स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को मजबूत करने, जनभागीदारी बढ़ाने तथा शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निकायों में स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबन्धन केवल अभियान तक सीमित न रहे, बल्कि इसे नियमित व्यवस्था के रूप में प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय चावला, प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय संजीव ओझा, जनपद के समस्त अधिशासी अधिकारी एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मार्टीकला के संरक्षण, संवर्धन तथा माटीकला कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

आजमगढ़, (आर एन एस)प्रदेश में माटीकला एवं इससे जुड़े कारीगरों को प्रोत्साहन देने, माटीकला उत्पादों के प्रचार–प्रसार तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड स्थापना पखवाड़ा का आयोजन 16 से 31 जुलाई 2026 तक किया गया । इस दौरान 19 जुलाई 2026 को माटीकला बोर्ड का 9वां स्थापना दिवस मनाया गया।स्थापना पखवाड़े की थीम "माटी से आत्मनिर्भरता, परंपरा से समृद्धि" रखी गई है। इसके माध्यम से प्रदेश में माटीकला के संरक्षण, संवर्धन तथा माटीकला कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।पखवाड़े के अंतर्गत माटीकला उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री, कारीगरों का पंजीकरण एवं आंकड़ा संकलन, विभागीय योजनाओं एवं प्रशिक्षण की जानकारी तथा रोजगार स्थापित करने के लिए ऋण आवेदन संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। साथ ही विद्युत चालित चाक एवं आधुनिक उपकरणों का प्रदर्शन, माटीकला सहकारी समितियों के गठन के लिए प्रेरित करने तथा स्थानीय एवं पर्यावरण–अनुकूल उत्पादों के उपयोग के लिए जन–जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।माटीकला कारीगरों को शासन की योजनाओं से जोड़कर उनके पारंपरिक हुनर को आधुनिक तकनीक एवं बाजार की आवश्यकताओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इससे कारीगरों की आय बढ़ाने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन होगा तथा प्रदेश की समृद्ध माटीकला परंपरा को नई पहचान मिलेगी।ऑनलाइन आवेदन एवं अधिक जानकारी के लिए माटीकला बोर्ड की वेबसाइट् नचउंजपांसंइवंतक.पद पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। माटीकला से संबंधित जानकारी एवं सहायता के लिए टोल–फ्री नंबर 1800–120–7699 पर संपर्क किया जा सकता है।जिला स्तर पर संबंधित जानकारी के लिए कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है। मुख्यालय स्तर पर उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड, खादी भवन, 8 तिलक मार्ग, लखनऊ से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।माटीकला का संरक्षण, कारीगरों का सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश का निर्माणकृ इसी संकल्प के साथ माटीकला बोर्ड स्थापना पखवाड़ा आयोजित किया गया।

पृथक बुंदेलखंड राज्य के लिए अब विचार क्रांति की जरूरत : बुन्देला

चित्रकूट। फिल्म अभिनेता और संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा बुंदेला नें कहा कि चाहते सभी हैं कि बुंदेलखंड अलग राज्य बने लेकिन अब जरूरत विचार क्रांति की है। बिना विचार क्रांति के राज्य बनना संभव नहीं है। जागिए चिंतन करिए और ललकार कर स्वराज्य मांगिए बुंदेलखंड राज्य मांगिए।

शुक्रवार को राजा बुंदेला के नेतृत्व में गांव–गांव पांव–पांव यात्रा पांचवें दिन मानिकपुर क्षेत्र पहुंची। यहां पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विनोद द्विवेदी के आवास में विशाल गोष्ठी में सैकड़ों लोगों नें पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड राज्य की मांग नई नहीं है। बुंदेलखंड राज्य के पहले मुख्यमंत्री कामता प्रसाद सक्सेना बने फिर 1956 में बुंदेलखंड राज्य को तोड़कर यूपी–एमपी में बाँट दिया गया। तब से हम दो राज्यों में बंटे हैं। हम उसी बुंदेलखंड राज्य को ही मांग रहे हैं। यह लड़ाई तीन दशक से चल रही है। अब इसपर निर्णायक स्थिति है। उन्होंने कहा इसलिए उठो जागो और स्वराज्य बुंदेलखंड राज्य मांगो स कहा कि 5 करोड़ बुंदेलखंडी जिसदिन अपने हक और अधिकार के लिए उठ खडे होंगे उसी दिन सरकार विवश होकर बुंदेलखंड को अलग राज्य का दर्जा देने पर विवश होगी। इस मौके पर पकौआ देवी महाविद्यालय के प्राचार्य रेणुका पांडेय, सेवानिवृत्त डाक्टर एमएम पांडेय समेंत गणमान्य लोग मौजूद रहे। गढ़चपा गांव में प्रधान प्रतिनिधि अरुण सिंह बघेल उर्फ मिंटू सिंह के नेतृत्व में यात्रा का सैंकड़ो ग्रामीणों संग जोरदार समर्थन किया गया। यहां आयोजित गोष्ठी में ग्रामीणों नें एक स्वर में जय जय बुंदेलखंड की हुंकार भरी। यात्रा के संयोजक पूर्व विधायक दिनेश प्रसाद मिश्र, बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह, जयराम सिंह बछेउरा बांदा, डा. आश्रय सिंह, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजन धमेरिया, भाकियू के राष्ट्रीय महासचिव प्रताप सिंह बुंदेला, हनुआ गांव के प्रधान संजय मिश्रा समेंत कई अन्य लोग मौजूद रहे।

जुड़वा बच्चो को जन्म देने के बाद प्रसूता की मौत

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के बौसड़ा गांव में देर रात जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद प्रसूता रामसखी (30) की रास्ते में मौत हो गई। दोनों नवजात सुरक्षित हैं। ग्राम निवासी रामसंवारे ने बताया कि गुरुवार रात पत्नी को प्रसव पीड़ा हुई। घर पर ही पहले बालिका और फिर बालक का जन्म हुआ। रक्तस्राव न रुकने पर एंबुलेंस को फोन किया, लेकिन आधे घंटे तक नेटवर्क न मिलने से बात नहीं हो सकी। ई–रिक्शा से सीएचसी ले गए। परिजनों का आरोप है कि डा. आशुतोष ने काफी देर बाद देखा और खून की कमी बताकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां भी एंबुलेंस आधो घंटे बाद मिली। जिला दिया। सीएचसी प्रभारी ने कहा मामले की जांच की जा रही है।

चरमराई बिजली व्यवस्था को लेकर विधायक ने दिया ज्ञापन

चित्रकूट। सपा के सदर विधायक अनिल प्रधान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं, किसानों, समर्थकों एवं आमजन के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में जनपद में चरमराई विद्युत व्यवस्था, किसानों के साथ हो रहे अत्याचार, स्वास्थ्य, षिक्षा, सड़क आदि दर्जनों समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया। विधायक ने कहा कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। लो वोल्टेज, अघोशित विद्युत कटौती, फाल्ट की समस्या ने पूरे जनपद के किसानों को रोने को मजबूर कर दिया है। लो वोल्टेज के कारण किसानों के ट्यूबवेल नहीं चल पा रहे हैं और अगर यही स्थिति रही तो किसान इस वर्श धान की रोपाई नहीं कर पाएगा। कहा कि कई जगह हर घर नल योजना से होने वाली जलापूर्ति बाधित है। जिम्मेदार कर्मचारी, अधिकारी सीयूजी नम्बर पर फोन करने पर उठाते नहीं है। कहा कि जिले में खाद की उपलब्धता समय पर कराई जाए। कहा कि संयुक्त जिला चिकित्सालय में हृदय रोग विषेशज्ञ की तैनाती हो। इस मौके पर सुरेन्द्र यादव, हरीमोहन सिंह, जर्नादन सिंह पटेल, अरसद खान, मंगल सिंह यादव, गौरीषंकर पटेल, आषुतोश अग्रहरि, नत्थूलाल वर्मा, अनिल कुमार पटेल, विकास पटेल, ननकू निशाद आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसपी ने परेड की सलामी लेकर किया निरीक्षण

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने पुलिस लाइन्स में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, तत्पर और अनुशासन बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रकार के शारीरिक करायी गयी। परेड में शामिल अधिकारी, कर्मचारीगण को अनुशासन, एकरूपता और कर्तव्यनिष्ठा के संबंध में बताया। पुलिस अधीक्षक द्वारा परिवहन शाखा में जाकर थानों से आयी चारध दो पहिया वाहनों, 112 पीआरवी वाहन तथा परिवहन शाखा में रखे वाहनों का निरीक्षण कर प्रभारी परिवहन शाखा को वाहनों की कमियों को दूर करने के लिए निर्देशित किया गया। डायल 112 कार्यालय, आवास परिसर, बैरक, सीपीसी कैन्टीन, मंदिर, भोजनालय, ऑर्मरी का निरीक्षण कर कर्मचारियों का अर्दली रुम किया।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत, परिवार में मचा कोहराम

आजमगढ़ (आर एन एस)ठेकमा बाजार से साइकिल से घर लौट रहे एक व्यक्ति को पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई घटना के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।जानकारी के अनुसार, सुरेश सरोज (56 वर्ष) पुत्र रामपति सरोज, निवासी ग्राम सराय मोहन, थाना बरदह, शुक्रवार को ठेकमा बाजार से साइकिल द्वारा अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रही एक कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह कई फीट दूर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ठेकमा पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के समय कार में दो युवक और एक युवती सवार थे। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अज्ञात वाहन व चालक की तलाश शुरू कर दी है।मृतक सुरेश सरोज खेती–किसानी कर अपने परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी सुशीला, दो पुत्र और एक पुत्री हैं। सुरेश सरोज की असमय मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

कमल बने डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष

–द्विवार्षिक अधिवेशन में नई कार्यकारिणी गठित

चित्रकूट। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं निर्वाचन कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शिवरामपुर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ. महेंद्र कुमार त्रिपाठी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. राजेश सिंह, प्रांतीय प्रेक्षक वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश मिश्रा तथा पीसीआई सदस्य शंकर पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के वरिष्ठ एवं पूर्व चीफ फार्मासिस्ट जागेश्वर सिंह ने की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त फार्मासिस्ट अभिनंदन सिंह का अंगवस्त्र एवं माल्यार्पण कर भावभीनी विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उपस्थित सभी फार्मासिस्टों ने उनके दीर्घकालीन सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। अधिवेशन में सर्वसम्मति से डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का निर्विरोधा निर्वाचन सम्पन्न हुआ। नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष कमल सिंह, जिला मंत्री फूल सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम करन सिंह, उपाध्यक्ष दिलीप सिंह, संगठन मंत्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष प्रेमचंद्र सिंह, संयुक्त मंत्री धीरेन्द्र सिंह, आडिटर चंद्रप्रकाश सिंह चुने गए। निर्वाचन के उपरांत सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की तथा संगठन को सशक्त बनाने एवं फार्मासिस्टों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में बैजनाथ सिंह, सर्वेश वर्मा, सतेंद्र शुक्ला, राजकुमार शुक्ला, वीरेंद्र पांडेय, श्रीराम अग्रवाल, मनोज पहाड़िया, इंद्रराज यादव, धर्मेंद्र मिश्रा, अरविंद सिंह, बलराज सिंह, करन सिंह, देवेन्द्र सिंह आदि फार्मासिस्ट मौजूद रहे।

आकांक्षी ब्लाक के विकास रणनीति पर हुई गहन चर्चा

चित्रकूट। डीएम के निर्देशों के अनुपालन में विकास खंड सभागार रामनगर में आकांक्षी विकास खंड कार्यक्रम के अंतर्गत महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक खण्ड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुइ। जिसमें आकांक्षी ब्लाक के विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान नीति आयोग के मानकों के अनुरूप विकासखंड के सर्वांगीण विकास, अंतरविभागीय समन्वय तथा डेटा शुद्धता पर विशेष बल दिया गया। ब्लॉक विकास रणनीति की अद्यतन स्थिति तथा पोर्टल पर फीड किए जा रहे डेटा की सटीकता एवं शुद्धता की जांच की गई। विभागीय प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। इसी प्रकार अन्य सूचकांकों की बिन्दुवार समीक्षा की गई। बैठक के अंत में बीडीओ ने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि पोर्टल पर अपने विभाग से संबंधित सटीक व प्रामाणिक डेटा समयसीमा के भीतर अपलोड करना सुनिश्चित करें। जिन सूचकांकों में अपेक्षित प्रगति हासिल नहीं हुई है उनमें समन्वय बनाकर युद्धस्तर पर कार्य करें। ताकि आकांक्षी विकास खंड रामनगर के सभी लक्ष्यों को समय से पूरा किया जा सके।

'नक्शा स्वी.ति में तकनीकी मानकों व पार्किंग व्यवस्था का कड़ाई से हो पालन'

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में चित्रकूट विकास प्राधिकरण कार्यालय में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक हुई। जिसमें मुख्य रूप से आम जनता के मानचित्र पास करने की प्रक्रिया, तकनीकी बारीकियों और इसमें होने वाली देरी को दूर करने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान डीएम ने नक्शा पास करने वाले सभी अधिकारियों और अभियंताओं से कहा कि मानचित्र स्वी.ति के समय सभी तकनीकी गाइड लाइंस का गहनता से परीक्षण किया जाए। उन्होंने मुख्य रूप से अनिवार्य पार्किंग स्पेस पर जोर दिया। कहा कि बिना उचित पार्किंग स्पेस के कोई भी नक्शा पास न किया जाए। मास्टर प्लान के नियमों और लैंड यूज (भू–उपयोग) का कड़ाई से पालन हो। भवन मानक, सुरक्षा मानक पर ध्यान दिया जाए। डीएम ने सख्त लहजे में कहा कि आम जनता को अपने मकान या व्यावसायिक प्रतिष्ठान का नक्शा पास कराने के लिए अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। फाइलों का निस्तारण समयसीमा के भीतर होना चाहिए। चेताया कि यदि मानचित्र स्वी.ति की प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी पाई गई तो संबंधित अधिकारी व कर्मचारी के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बच्ची को मिला नया परिवार, जिले में दूसरी बार हुई दत्तक ग्रहण प्रक्रिया

चित्रकूट। बाल संरक्षण और निराश्रित बच्चों के पुनर्वासन के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कानूनी सफलता मिली है। किशोर न्याय अधिनियम एवं दत्तक ग्रहण विनियम के अंतर्गत संचालित विशेषी.त राजकीय दत्तक ग्रहण इकाई के माध्यम से दूसरी बार एक बच्ची को कानूनी रूप से गोद दिए जाने की विधिक प्रक्रिया को पूर्ण कर लिया गया है। डीएम पुलकित गर्ग के निर्देशन एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता के पर्यवेक्षण में कलेक्ट्रेट कार्यालय में इस विधिक प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया। डीएम ने कलेक्ट्रेट में आए भावी दत्तक माता–पिता से आवश्यक पूछताछ की और सभी कानूनी व प्रशासनिक दस्तावेजों का गहन सत्यापन करने के बाद आधिकारिक आदेश के तहत बच्ची को उनके सुपुर्द किया। दंपत्ति ने वर्ष 2022 में ऑनलाइन आवेदन किया था। इस मौके पर बाल संरक्षण अधिकारी सौरभ सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर प्रशांत एवं विशेषी.त राजकीय दत्तक ग्रहण इकाई के अधीक्षक कमलेश रैक्वार उपस्थित रहे।

अग्निकांड पीड़ितो को मिली सहायता राशि

चित्रकूट। नवीन मण्डी स्थल कर्वी में मुख्यमंत्री खेत खलिहान अग्निकाण्ड दुर्घटना सहायता योजनान्तर्गत तहसील कर्वी व राजापुर में घटित अग्निकाण्ड दुर्घटना से प्रभावित 20 .षकों को 51 हजार 803 रुपए की सहायता राशि का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त मण्डी समिति मऊ के अन्तर्गत 14 .षकों को कुल दो लाख उन्तीस हजार चार सौ तीस रूपये की सहायता राशि का वितरण किया गया। जिसमें सर्वाधिक धनराशि .षक ज्ञानेन्द नारायण पुत्र स्व राम प्रसाद निवासी मऊ 50 हजार की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई हैं।

एडीएम ने ग्राम चौपाल में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

चित्रकूट। ब्लाक मऊ के ग्राम पंचायत गाहुर में एडीएम चंद्रशेखर की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा ग्रामवासियों को मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, शादी अनुदान योजना एवं खाद वितरण से सम्बन्धित, समूह गठन के माध्यम से स्वरोजगार एवं अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी। इस मौके पर चार शिकायते प्राप्त हुयी। जिनका मौके पर ही निस्तारण किया गया।

सीडब्ल्यूजी 2026 नीरज चोपड़ा ने सिल्वर और यशवीर सिंह ने ब्रान्ज जीतकर रचा इतिहास, मुरीद हुए गोल्डन बाय ने कही ये बड़ी बात

ग्लासगो । भारतीय एथलेटिक्स के श्गोल्डन बॉयश् नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना डंका बजाया है। फिटनेस की तमाम चुनौतियों और ग्लासगो की कड़ाके की ठंड को मात देते हुए नीरज ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में अपनी शानदार वापसी की है और सिल्वर मेडल पर कब्जा जमा लिया है। इस दमदार जीत के साथ ही उन्होंने इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज करा लिया है। पदक जीतने के बाद नीरज ने सिर्फ अपनी ही नहीं, बल्कि भारतीय जैवलिन थ्रो के भविष्य को लेकर एक ऐसा दिल जीतने वाला बयान दिया है, जिसने हर खेल प्रेमी को गदगद कर दिया है।सीडब्ल्यूजी इतिहास में ऐसा करने वाले पहले भारतीय

नीरज चोपड़ा अब कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में जैवलिन थ्रो इवेंट के अंदर गोल्ड और सिल्वर, दोनों मेडल जीतने वाले भारत के इकलौते एथलीट बन गए हैं। पिछले लगभग एक साल से चोट और फिटनेस की समस्याओं से जूझ रहे नीरज की यह वापसी बेहद खास रही, जहां उन्होंने अपना सीजन का बेस्ट थ्रो भी किया। नीरज की इस उपलब्धि के साथ ही भारत के लिए खेलों का 9वां दिन काफी शानदार गुजरा और देश के कुल पदकों की संख्या उछलकर 23 तक पहुंच गई है।

श्मैं नहीं तो क्या, अब हमारे पास और भी शेर हैंश्

सिल्वर जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में नीरज की खुशी इसलिए भी दोगुनी नजर आई, क्योंकि उनके साथ भारत के ही युवा एथलीट यशवीर सिंह ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पोडियम साझा किया। यशवीर सिंह ने अपने आखिरी थ्रो में ऐसा कारनामा किया कि वो अपने पहले ही कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने में कामयाब रहे। नीरज ने यशवीर की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि आज उन्हें एशियन गेम्स की याद आ गई। उन्होंने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा, मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यह है कि अगर मैं मैदान पर नहीं भी हूं या चोटिल हूं, तब भी अब हमारे पास मेडल जीतने वाले बेहतरीन थ्रोअर मौजूद हैं। यशवीर अब 85 मीटर के एलीट क्लब में शामिल हो गया है और रोहित भी अच्छा कर रहा है। देश में जैवलिन को लेकर इतना शानदार टैलेंट सामने आना सुकून देने वाला ठंड ने किया परेशान, अब जापान में दिखेगा असली जलवाअपनी परफॉर्मेंस का ईमानदारी से विश्लेषण करते हुए नीरज ने बताया कि ग्लासगो का सर्द मौसम उनके लिए एक बड़ी चुनौती साबित हुआ। उन्होंने कहा कि फाइनल में उनका केवल एक ही थ्रो सबसे बेहतरीन रहा, जबकि बाकी थ्रो और भी अच्छे हो सकते थे। नीरज ने माना कि उन्हें ठंडे मौसम में प्रदर्शन करने में थोड़ी दिक्कत आती है और वे गर्म मौसम में खेलना ज्यादा पसंद करते हैं।

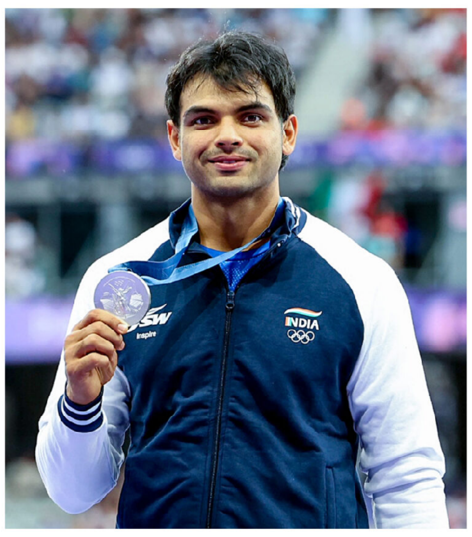

थोड़ा और बेहतर हो सकता था, इंजरी से वापसी करने पर डर रहता है, सिल्वर मेडल जीतने पर बोले नीरज चोपड़ा

ग्लासगो । कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के 9वें दिन जैवलिन थ्रो में भारत की झोली में दो मेडल आए। नीरज चोपड़ा ने सीजन का अपना बेस्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता, तो यशवीर सिंह ब्रॉन्ज पर कब्जा जमाने में सफल रहे। नीरज ने माना कि इंजरी से वापसी करने पर मन में थोड़ा डर रहता है। उन्होंने कहा कि वह थोड़ा और बेहतर कर सकते थे। नीरज ने पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए कहा, बहुत खुशी है कि मेरे साथ यशवीर भी मेडल जीतने में सफल रहे। ऐसा पहले एशियन गेम्स में हुआ था, जहां मैंने और किशोर ने मेडल जीता था और मुझे खुशी है कि यशवीर ने यहां अपने सीजन का बेस्ट प्रदर्शन किया। काफी अच्छा लग रहा है कि हम पोडियम पर हैं। हमारी हमेशा कोशिश रहती है कि देश का नेशनल एंथम बजे, लेकिन ठीक है मैंने भी सीजन का अपना बेस्ट प्रदर्शन किया। मेरी वापसी ठीक हो रही है और आगे बाकी प्रतियोगिता में बेहतर करने की कोशिश करूंगा। नीरज ने गोल्ड मेडल जीतने वाले श्रीलंका के रोमेश थरंगा के थ्रो की तारीफ की, जिन्होंने 89.75 मीटर का थ्रो फेंका। उन्होंने कहा, जाहिर तौर पर थरंगा का थ्रो काफी अच्छा था। मुझे भी लग रहा था कि मैं थोड़ा और बेहतर कर सकता हूं, लेकिन मैं लाइन नहीं पकड़ पा रहा था। मैं फिर से लय में आने की धीरे–धीरे कोशिश कर रहा हूं। नीरज ने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा, पता नहीं मैं ठंड में उतना बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाता हूं, मुझे गर्मी पसंद है, क्योंकि मेरे अंदर भारतीय खून है ना।

नीरज ने अपनी फिटनेस को लेकर बात करते हुए कहा, देखिए, मैं यह नहीं कह सकता हूं कि मेरी फिटनेस पहले जैसी है। अभी धीरे–धीरे उस फिटनेस को हासिल करने का प्रयास जारी है। इंजरी के बाद मेरी पहली प्रतियोगिता दोहा में थी, जहां कोई नहीं कह सकता कि हम अच्छी तैयारी में थे। हालांकि, यहां थोड़ा बेहतर था। बस कोशिश है कि आने वाली प्रतियोगिता में पूरी तरह से लय हासिल कर सकूं। यकीनन अभी और सुधार होगा। मैं यह नहीं कह सकता हूं कि सीजन बेस्ट के मेरे इस प्रदर्शन में बहुत सुधार हुआ है, लेकिन आगामी इवेंट्स में मैं और बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करूंगा। भारतीय स्टार एथलीट ने आगे कहा, जब आप 100 प्रतिशत फिट रहते हैं, तो वो लड़ने का जज्बा अलग रहता है और लगता है कि कुछ भी कर सकते हैं। वहीं, जब आप इंजरी से आ रहे होते हैं, तो आपको सोच–समझकर कदम रखना पड़ता है। आज भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी, कभी लग रहा था कि पूरी जोर से दौड़ लगाऊं, तो कभी लग रहा था कि खुद को कंट्रोल में रखूं। मिश्रित फीलिंग थी, लेकिन फिर भी थ्रो ठीक था।

स्काट एडवर्ड्स ने छोड़ी नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी, बास डी लीडे संभालेंगे कमान

नई दिल्ली । स्कॉट एडवर्ड्स ने नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने 56 वनडे इंटरनेशनल मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। एडवर्ड्स की जगह पर ऑलराउंडर बास डी लीडे आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कैंपेन के बाकी मैचों के लिए टीम की कमान संभालेंगे। यूट्रेक्ट में लीग 2 के मैच खत्म होने के बाद, एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों को अपने फैसले के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अब लीडरशिप की भूमिका छोड़ने और एक खिलाड़ी के तौर पर बड़ी भूमिका निभाने पर ध्यान देने का सही समय है। रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा जारी एक वीडियो में एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों से कहा, मुझे खेद है कि मैं आप लोगों के सामने यह बात अचानक रख रहा हूं, लेकिन मैं अब से कप्तान का पद छोड़ रहा हूं। मेरा मानना है कि यह एक ऐसा मामला है जिस पर रयान कुक और मैंने बात की है और मैंने कई अन्य लोगों से भी इस बारे में चर्चा की है, और अब मुझे यह सही समय लग रहा है। स्कॉट एडवर्ड्स ने आगे कहा, मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर मेरा योगदान अभी बहुत बाकी है और भविष्य के लिए निश्चित रूप से मेरा यही लक्ष्य है, दोस्तों। मेरा मानना है कि यह एक बहुत ही खास टीम है। दुनिया हमारे लिए खुली है और मैं आगे आने वाले समय को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं नहीं चाहता था कि इसका असर सीरीज पर पड़े, लेकिन अब बस यहीं तकय पिछले चार वर्षों में आप सभी ने मुझ पर और टीम पर जो मेहनत की है, उसके लिए मैं आपका जितना भी शुक्रिया अदा करूं, कम है। यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और मुझे ऑरेंज जर्सी पहनना बहुत पसंद है। मैं आने वाले कई वर्षों का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।एडवर्ड्स जून 2022 में इंग्लैंड के नीदरलैंड्स दौरे के पहले वनडे के बाद पीटर सीलार की जगह टीम के कप्तान बने थे।

उनकी कप्तानी में नीदरलैंड्स ने 56 वनडे मैचों में से 24 जीते, जिसमें ध र्मशाला में साउथ अफ्रीका और 2023 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ शानदार जीत शामिल है। उन्होंने 50 टी20 मैचों में भी टीम की कप्तानी की और टी20 वर्ल्ड कप 2022 में जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के खिलाफ यादगार जीत हासिल की।नीदरलैंड्स अभी आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। चूंकि टॉप चार टीमें क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर के लिए क्वालिफाई करती हैं, इसलिए कप्तान के तौर पर डी लीड की पहली जिम्मेदारी टीम को बाकी बचे कैंपेन में आगे ले जाने की होगी।

टीम इंडिया के लिए आई बड़ी खुशखबरी, जसप्रीत बुमराह ने पास किया फिटनेस टेस्ट

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों और टीम प्रबंधन के लिए एक बेहद राहत भरी और बड़ी खबर सामने आई है। भारत के घातक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपने सभी फिटनेस टेस्ट सफलतापूर्वक पास कर लिए हैं। बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (क्चष्टष्टढ्ढ) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने उन्हें मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह से फिट घोषित कर दिया है। इसके साथ ही उन्हें अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने जा रही दो मैचों की महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज में खेलने की हरी झंडी मिल गई है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान बुमराह चोटिल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे मैच से बाहर बैठना पड़ा था। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि बुमराह पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं और श्रीलंका के खिलाफ दोनों टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे।भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो में शुरू होगा। विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (ङ्खञ्जष्ट) के फाइनल की रेस में बने रहने के लिए भारतीय टीम के लिए यह सीरीज जीतना बेहद अनिवार्य है। भारत को मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र के बाकी बचे नौ टेस्ट मैचों में से कम से कम सात मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी। ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी ध रती पर होने वाली कठिन सीरीज से पहले भारत के लिए श्रीलंका को उसी के घर में 2–0 से हराना बहुत महत्वपूर्ण है। फिलहाल डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारतीय टीम पांचवें स्थान पर है, जबकि श्रीलंका छठे पायदान पर मौजूद है।चोट की मार से परेशान भारत, ये सितारे हुए बाहरएक तरफ जहां बुमराह की वापसी से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिली है, वहीं दूसरी ओर भारतीय खेमे को कई खिलाड़ियों की चोटों से बड़ा झटका भी लगा है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा और ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोटिल होने के कारण इस सीरीज से पूरी तरह बाहर हो गए हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर मांसपेशियों में खिंचाव की वजह से पहले टेस्ट मैच में चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे, जबकि तेज गेंदबाज आकाश दीप भी पीठ के दर्द से अभी तक पूरी तरह नहीं उबर सके हैं।सरप्राइज एंट्रीरू सारांश जैन को पहली बार मिला टेस्ट बुलावाश्रीलंका दौरे के लिए घोषित भारतीय टेस्ट टीम में सबसे बड़ा सरप्राइज ऑफ–स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन का चयन रहा है। घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावित करने वाले सारांश को पहली बार नेशनल टेस्ट टीम की जर्सी पहनने का मौका मिला है। उनके अलावा रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह की सीनियर खिलाड़ियों के रूप में टीम में सफल वापसी हुई है। टीम की कमान युवा शुभमन गिल के हाथों में होगी, जबकि केएल राहुल उप–कप्तान की भूमिका निभाएंगे।श्रीलंका दौरे के लिए पूरी भारतीय टेस्ट टीम शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, के एल राहुल

(उप–कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), देवदत्त पड़िक्कल, रवींद्र जडेजा, सारांश जैन, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़।

विदेशी मुद्रा स्वैप सुविधा के तहत 31 जुलाई तक 40.82 अरब डालर जुटाए गए

भारतीय रिजर्व बैंक ने शनिवार को कहा कि विदेशी मुद्रा प्रवाह को बढ़ावा देने वाली उसकी रियायती स्वैप सुविधा के तहत 31 जुलाई तक 40.82 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए गए हैं। केंद्रीय बैंक के अनुसार, इस सुविधा के लिए मजबूत दिलचस्पी देखी गई और आठ जून, 2026 से लगातार विदेशी मुद्रा का प्रवाह हुआ है।मुंबई, एक अगस्त भारतीय रिजर्व बैंक ने शनिवार को कहा कि विदेशी मुद्रा प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई उसकी रियायती स्वैप सुविधा ने 31 जुलाई तक 40.82 अरब अमेरिकी डॉलर आकर्षित किए हैं। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि इस स्वैप सुविधा के लिए मजबूतदिलचस्पी देखी गई और आठ जून, 2026 से लगातार विदेशी

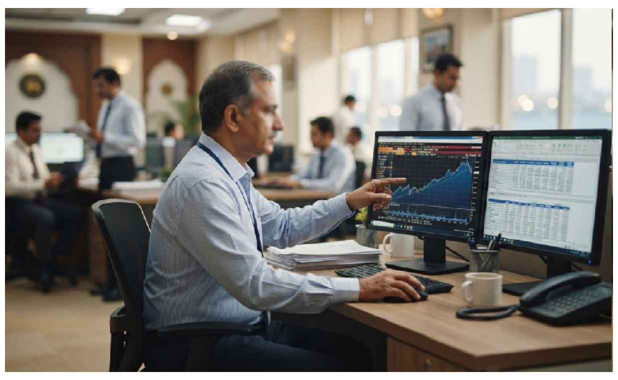

मुद्रा का प्रवाह हुआ है। विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा के माध यम से उल्लेखनीय धन जुटाया गया। कुल प्रवाह में एफसीएनआर (बी) जमा का हिस्सा 36.725 अरब डॉलर रहा, जबकि विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) ने 2.575 अरब डॉलर का योगदान दिया और बाहरी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) की राशि 1.516 अरब डॉलर रही। देश के भुगतान संतुलन को मजबूत करने और पूंजी प्रवाह को प्रोत्साहित करने के लिए आरबीआई ने पांच जून को नए एफसीएनआर (बी) जमा, ओएफसीबी और ईसीबी प्रवाह के लिए रियायती स्वैप की पेशकश सहित कई उपायों की घोषणा की थी। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि अधिकृत डीलर बैंकों से मिले आंकड़ों के आधार पर, स्वैप सुविधा के तहत 31 जुलाई, 2026 तक जुटाए गए विदेशी मुद्रा प्रवाह की स्थिति 40.816 अरब डॉलर थी।

आईटीआर दाखिल कर निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए 5.9 करोड़ से अधिक रिटर्न

आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि 31 जुलाई तक कर निर्धारण वर्ष 2026–27 के लिए 5.9 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। यह तिथि उन करदाताओं के लिए थी जिनके खातों का ऑडिट होना अनिवार्य नहीं है। नयी दिल्ली, एक अगस्त आयकर विभाग ने शनिवार को कहा कि 31 जुलाई तक कर निर्धारण वर्ष (एवाई) 2026–27 के लिए 5.9 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं। कर निर्धारण वर्ष 2026–27 के लिए बिना किसी जुर्माने और ब्याज के आयकर रिटर्न (आईटीआर) 1 और 2 दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई थी। यह तिथि उन करदाताओं के लिए थी, जिनके खातों का ऑडिट होना अनिवार्य नहीं है।पिछले वर्ष 16 सितंबर 2025 तक 7.3 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए थे, जो कर निर्धारण वर्ष 2025–26 के लिए रिटर्न दाखिल करने की विस्तारित तिथि थी। आयकर विभाग ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, कर निध ार्रण वर्ष 2026–27 के लिए 31 जुलाई तक 5.9 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए! आईटीआर फॉर्म–1 (सहज) एक सरल फॉर्म है जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम करदाताओं की जरूरतों को पूरा करता है। सहज फॉर्म 50 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले निवासी व्यक्ति द्वारा दाखिल किया जा सकता है, जिनकी आय वेतन, एक मकान संपत्ति और सालाना 5,000 रुपये तक की कृषि आय से होती है। आईटीआर–2 उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) द्वारा दाखिल किया जाता है, जिनकी आय व्यवसाय या पेशे के लाभ से नहीं होती, बल्कि पूंजीगत लाभ से होती है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की जुलाई बिक्री 26 प्रतिशत बढ़कर 1,03,860 इकाई पर पहुंची

नयी दिल्ली,। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की कुल वाहन बिक्री जुलाई में 26 प्रतिशत बढ़कर 1,03,860 इकाई हो गई है। कंपनी के घरेलू बाजार में यूटिलिटी वाहनों और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में भी अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नयी दिल्ली, एक अगस्त महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) लिमिटेड की कुल वाहन बिक्री जुलाई में 26 प्रतिशत बढ़कर 1,03,860 इकाई हो गई। कंपनी ने शनिवार को बताया कि जुलाई 2026 के दौरान घरेलू बाजार में यूटिलिटी व्हीकल (यूवी) की बिक्री 20 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 60,048 इकाई रही, जो जुलाई 2025 में 49,871 इकाई थी। एमएंडएम ने बताया कि जुलाई में कंपनी की घरेलू वाणिज्यिक वाहन बिक्री 23 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 25,204 इकाई रही। कंपनी ने बताया कि जुलाई 2026 में उसका कुल निर्यात 47 प्रतिशत बढ़कर 4,070 इकाई रहा, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 2,774 इकाई था। महिंद्रा एंड महिंद्रा के वाहन प्रभाग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा कि कंपनी के पूरे उत्पाद पोर्टफोलियो में मजबूत मांग के बल पर जुलाई में सभी श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला और कुल बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

ई टी 20 से पेट्रोल के हर लीटर पर 30 बचा रहे हैं आप! जानें ईरान युद्ध के दौरान कैसे गेमचेंजर बना इथेनश्ल?

पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक विस्तृत बयान में कहा कि ईरान युद्ध के दौरान दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर +135 (लगभग ध्13,000) प्रति बैरल तक पहुँच गईं। कच्चे तेल की कीमतें अभूतपूर्व स्तर पर पहुँच गईं क्योंकि ईरान ने अमेरिका–इजरायल के हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य (ैजतंपज व ि भ्वतउन्र) को बंद कर दियाय यह वह जलमार्ग है जिससे दुनिया का 20ः तेल और गैस गुजरता है। म्20 पेट्रोल पर सरकार ने क्या कहा?सरकार ने अपनी म्20 पेट्रोल पॉलिसी पर जोर देते हुए कहा कि जब अमेरिका–ईरान युद्ध के दौरान कच्चे तेल की कीमतें बहुत ज़्यादा बढ़ गई थीं, तो इस पॉलिसी ने भारतीय ग्राहकों को बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। कुछ वाहन मालिकों की नाराजगी के बीच, एक हफ्ते में म्20 पर चौथी बार सफाई देते हुए सरकार ने कहा कि मध्य पूर्व में उथल–पुथल के चरम पर पेट्रोल की

कीमतें 125 रुपये प्रति लीटर तक पहुँच सकती थींय मध्य पूर्व दुनिया के कुछ सबसे बड़े ऊर्जा उत्पादक देशों का घर है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक विस्तृत बयान में कहा कि ईरान युद्ध के दौरान दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर +135 (लगभग ध्13,000) प्रति बैरल तक पहुँच गईं। कच्चे तेल की कीमतें अभूतपूर्व स्तर पर पहुँच गईं क्योंकि ईरान ने अमेरिका–इजरायल के हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध् य (ैजतंपज व ि भ्वतउन्र) को बंद कर दियाय यह वह जलमार्ग है जिससे दुनिया का 20ः तेल और गैस गुजरता है। मंत्रालय ने कहा कि जब भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत बढ़कर लगभग 135 डॉलर प्रति बैरल हो गई थी, तो अनुमान था कि दिल्ली में बिना इथेनॉल ब्लेंडिंग वाले पेट्रोल की कीमत लगभग 125 रुपये प्रति लीटर होगी। मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि इन हालात के बावजूद, 20ः इथेनॉल ब्लेंडिंग की वजह से दिल्ली में ग्राहकों को पेट्रोल के लिए 94 रुपये प्रति लीटर से थोड़ी ज़्यादा कीमत ही चुकानी पड़ी। सरकार ने कहा कि ग्राहकों ने 94.77 रुपये प्रति लीटर का भुगतान किया क्योंकि हर लीटर में 20ः हिस्सा देश में बने इथेनॉल का था... इससे कीमतें ग्लोबल स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के असर से बची रहीं। सरकार ने बताया कि संकट के समय ग्राहकों को पेट्रोल पंप पर प्रति लीटर लगभग 30 रुपये की बचत हुई। सरकार के म्20 प्रोग्राम जिसमें 80ः पेट्रोल और 20ः इथेनॉल मिलाया जाता है की विपक्षी पार्टियों और उपभोक्ता समूहों ने कड़ी आलोचना की है।

जुलाई में 2.11 लाख करोड़ का रिकार्ड टैक्स, 15.4% की ग्रोथ से भारतीय इकोनामी को रफ्तार

जुलाई के कुल जीएसटी राजस्व के विवरण में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) से 39,835 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) से 47,881 करोड़ रुपये और 1 करोड़ रुपये शामिल हैं। इंटीग्रेटेड ळैज (प्ळैज) से 23 लाख करोड़ रुपये।शनिवार (1 अगस्त) को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई महीने में भारत के गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (ळैज) कलेक्शन में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी रहा और यह सालाना आधार पर 15.4 प्रतिशत बढ़कर 2.11 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। जुलाई के कुल जीएसटी राजस्व के विवरण में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) से 39,835 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) से 47,881 करोड़ रुपये और 1 करोड़ रुपये शामिल हैं।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (त्ठप्) ने फिक्स्ड डिपॉजिट (थ्क्) के नियमों में बदलाव किया है। ये नए निर्देश शरिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (कमर्शियल बैंक दृ डिपॉजिट पर ब्याज दर) दूसरा संशोधन निर्देश, 2026श के तहत जारी किए गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, ये नए बदलाव 1 अक्टूबर, 2026 से लागू होंगे। त्ठप् ने कहा है कि बैंकों को ग्राहकों द्वारा किसी खास दिन जमा की गई एक जैसी रकम पर अपनी सभी ब्रांच में एक समान ब्याज दर देनी होगी। सेंट्रल बैंक ने कहा डिपॉजिट (जिसमें बल्क डिपॉजिट भी शामिल हैं) पर दी जाने वाली ब्याज दरें सभी ब्रांच और सभी ग्राहकों के लिए एक जैसी होनी चाहिए। साथ ही, एक ही तारीख पर बैंक की किसी भी ब्रांच में स्वीकार की गई समान रकम वाली अलग–अलग डिपॉजिट पर दिए जाने वाले ब्याज में कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। पेट्रोल में 20ः इथेनॉल (म्20) मिलाने से पुराने इंजन में टूट–फूट और माइलेज कम होने की चिंताओं के बीच, सरकार ने शुक्रवार को कहा कि अगर इथेनॉल नहीं मिलाया गया होता, तो वेस्ट एशिया संकट के दौरान पेट्रोल की कीमत बहुत ज़्यादा होती।

यश की टॉक्सिक से कियारा आडवाणी का बर्थडे पोस्टर सामने आया, लुक देख फैंस के उड़े होश

टॉक्सिक की टीम ने किया कियारा का बर्थडे सेलिब्रेट। यश की आने वाली एक्शन-एंटरटेनर फिल्म टॉक्सिक, जिसे गीतू मोहनदास डायरेक्ट कर रही हैं, हर किसी की नजर का केंद्र बनी हुई है। यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को बड़े पैमाने पर रिलीज होने वाली है।

फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया मुख्य महिला भूमिकाओं में हैं। आज कियारा आडवाणी अपना जन्मदिन मना रही हैं और इस मौके पर फिल्म के मेकर्स ने नया पोस्टर जारी कर उन्हें बधाई दी। कियारा फिल्म में नादिया का किरदार निभा रही हैं।यश ने पोस्टर जारी करते हुए लिखा, हमारी नादिया को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। पोस्टर में कियारा एक शानदार लाल आउटफिट में नजर आ रही हैं। उन्होंने हाथ में लाल रंग का सकुरा पंखा पकड़ा हुआ है और वह बहुत आकर्षक और शानदार लग रही हैं। फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कियारा ने कहा, जब मैंने आखिरकार कहानी सुनी, तो मैं इस बात से मंत्रमुग्ध हो गई कि यह किरदार कितनी अच्छी तरह से गढ़ा गया था। उन्होंने बताया कि इस किरदार के लिए असाधारण भावनात्मक रेंज की जरूरत थी। ताकत से लेकर कमजोरी तक, पागलपन से लेकर विक्षिप्तता तक, संवेदनशीलता से लेकर अलगाव तक। उन्होंने कहा कि नादिया का किरदार उन्हें वह सब कुछ देता है जिसकी एक एक्टर को चाहत होती है।

ओटीटी पर रिलीज हुई वरुण धवन की है जवानी तो इश्क होना है, जी 5 पर हुई स्ट्रीम

वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े जैसे सितारों से सजी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है को 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था. इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म से मेकर्स को बड़ी उम्मीदें थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी. इन सबके बीच फैंस इस फिल्म की ओटीटी रिलीज का भी इंतजार कर रहे थे. फाइनली इस फिल्म ने डिजिटल डेब्यू कर लिया है. आइए जानते हैं आप है जवानी तो इश्क होना है को ओटीटी पर कहां देख सकते हैं.है जवानी तो इश्क होना है को जो लोग थिएटर में देखने से चूक गए थे वो अब वरुण धवन स्टारर इस फिल्म को घर बैठे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं. बता दें कि ये फिल्म 31 जुलाई, 2026 से स्ट्रीम होना शुरू हो गई है. इस फिल्म को आप जी5 पर देख सकते हैं. फिल्म की ओटीटी रिलीज का ऐलान करते हुए मेकर्स ने लिखा, एक तरफ एक्स, दूसरी तरफ नेक्स, बीच में जस और फुल ऑन मेस... तो फिर हंगामा, भ्रम और कॉमेडी की गारंटी है. देखिए है जवानी तो इश्क होना है, अब जी5 पर स्ट्रीम हो रही है.है जवानी तो इश्क होना है में निर्देशन वरुण धवन के पिता और निर्देशक डेविड धवन हैं. इसमें मनीष पॉल, चंकी पांडे, जिमी शेरगिल, मौनी रॉय, अली असगर, राजेश कुमार, राकेश बेदी, कुब्रा सैत और रोहित सराफ जैसे एक्टर्स भी नजर आए. रमेश तौरानी और गौरव बोस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, है जवानी तो इश्क होना है ने दुनियाभर में 74.82 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि इस फिल्म का बजट 55 करोड़ रुपये था.है जवानी तो इश्क होना है एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसकी कहानी प्यार, शादी, रिश्तों और उनकी उलझनों के इर्द-गिर्द बुनी गई है. फिल्म में जसविंदर (जस) और बानी की शादी परिवार बढ़ाने को लेकर अलग-अलग सोच के कारण टूट जाती है.तलाक के बाद जस की जिंदगी में प्रीत की एंट्री होती है और दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं. लेकिन कहानी में बड़ा मोड़ तब आता

है, जब जस की एक्स वाइफ बानी और उसकी गर्लफ्रेंड प्रीत दोनों एक साथ प्रेग्नेंट हो जाती हैं. इसके बाद जस झूठ, कन्फ्यूजन और फैमिली ड्रामे के ऐसे जाल में फंस जाता है, जिसे फिल्म मजेदार अंदाज में पेश करती है.।

विक्रम का चियान 63 में लुक देख उड़ गए होश, फैंस बोले- अब फिल्म का इंतजार नहीं होता

चियान विक्रम ने अपनी आने वाली फिल्म, जिसका अभी अस्थायी नाम चियान 63 रखा गया है, के बारे में एक नए अपडेट से एक बार फिर फैन्स का ध्यान खींचा है। उनके बेटे ध्रुव विक्रम द्वारा शेयर किए गए बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो से सोशल मीडिया पर काफी उत्साह पैदा हुआ था। अब डायरेक्टर आनंद शंकर द्वारा फिल्म के पहले शूटिंग शेड्यूल के पूरा होने की घोषणा के साथ ही एक्टर फिर से चर्चा में आ गए हैं। इस अपडेट ने इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म के लिए उत्साह और बढ़ा दिया है, क्योंकि फैन्स विक्रम को लगभग एक दशक बाद इस फिल्ममेकर के साथ काम करते देखने के बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। डायरेक्टर आनंद शंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि चियान 63 का पहला शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। उन्होंने इस घोषणा के साथ विक्रम की एक स्टाइलिश नई तस्वीर भी पोस्ट की, जिसमें एक्टर ने डार्क सनग्लासेस पहने हुए हैं और हाथ में आग की लपट पकड़े हुए हैं, जिसकी झलक उनके चश्मे के लेंस पर दिख रही है। यह शानदार तस्वीर वायरल हो गई और फैंस ने कमेंट सेक्शन में अपना उत्साह जाहिर किया। कई लोगों ने इसे जबरदस्त अपडेट कहा और कहा कि वे बड़े पर्दे पर विक्रम का नया अवतार देखने के लिए बेताब हैं। इस घोषणा से यह भी कन्फर्म हुआ कि टीम जल्द ही फिल्मिंग का अगला चरण शुरू करेगी, जिससे प्रोजेक्ट तय समय पर चलता रहेगा। चियान 63 विक्रम और आनंद शंकर की दूसरी फिल्म हैय इससे पहले उन्होंने 2016 की एक्शन थ्रिलर इरु मुगन में साथ काम किया था। उनकी पिछली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और सालों में उनकी एक वफादार फैन फॉलोइंग बन गई है।

इस बार उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं, खासकर विक्रम की हालिया रिलीज वीरा धीरा सूरन को मिली तारीफ के बाद।

एक्टर ने अपने नए रोल के लिए काफी फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है और उनका रफ लुक पहले से ही फिल्म की सबसे बड़ी चर्चाओं में से एक बन गया है। चियान 63 में रिया शिबू लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी, जो इस फिल्म से तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। इसके अलावा, फिल्म में शम्मी थिलाकन, एम.एस. भास्कर, उर्वशी और संयुक्ता हेगड़े भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर संतोष नारायणन हैं

और आनंद शंकर डायरेक्टर हैं।

जना नायकन ने 8वें दिन कमल हासन की विक्रम के उड़ाए परखच्चे, ओपनिंग वीक पर बना दिया ये बड़ा रिकार्ड

थलपति विजय और बॉबी देओल स्टारर फिल्म जना नायकन ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर एक हफ्ता पूरा दिया है और ये दूसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है. इस दौरान इसने ठीक कमाई की है. वहीं तमिल पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा ने कमल हासन की विक्रम को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है. सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, जना नायकन ने रिलीज के आठवें दिन 3.98 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई की है. बुधवार को इसने 6 करोड़ रुपये कमाए थे. यानी 8वें दिन इसकी कमाई में 35त्न की गिरावट देखी गई. दरअसल सिनेमाघरों में शुक्रवार को हॉलीवुड फिल्म स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे के आने से इसकी कमाई को झटका लगा है जिसके चलते इसने 8वें दिन अपना अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया है.हालांकि एच. विनोथ की डायरेक्ट की गई इस फिल्म ने भारत में 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और 8 दिनों में इसकी कुल कमाई 153. 48 करोड़ रुपये (नेट) तक पहुंच गई है. फिल्म की घटती रफ्तार को देखते हुए अब इसका अपने 300-350 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट का वसूलना नामुमकिन हो गया है. थलपति विजय के लिए यह एक बड़ी निराशा है, क्योंकि यह बड़े पर्दे पर उनकी आखिरी फिल्म थी. बता दें कि जना नायकन ने अपने ओपनिंग वीकेंड में ही करुप्पू

(113.85 करोड़) के ओपनिंग वीक कलेक्शन को पीछे छोड़ते हुए 2026 में कॉलीवुड में सबसे बड़ी ओपनिंग वीक कमाई का रिकॉर्ड बना लिया था. वहीं थलपति विजय की इस फिल्म ने अब कमल हासन की विक्रम के 143.95 करोड़ को पीछे छोड़ते हुए तमिल सिनेमा में अब तक की सबसे ज्यादा ओपनिंग वीक कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में छठी पोजिशन हासिल कर ली है.

मिर्जापुर द मूवी का भौकाल होने वाला है शुरू, 11 अगस्त को रिलीज होगा फिल्म का ट्रेलर

अपने 3 दमदार सीजन के बाद, मिर्जापुर की दुनिया अब तक के सबसे रोमांचक सफर के लिए तैयार है। अली फजल और पंकज त्रिपाठी अभिनीत मिर्जापुर द मूवी इस साल बड़े पर्दे पर धमाका करने आ रही है। फिल्म का टीजर पहले ही रिलीज होकर फैंस के बीच

माहौल सेट कर चुका है। अब इंतजार इसके ट्रेलर का है, जिससे जुड़ा एक ताजा अपडेट आया है। बताया जा रहा है कि निर्माता एक भव्य कार्यक्रम में ट्रेलर को लॉन्च करेंगे। एक सूत्र ने बताया कि मिर्जापुर द मूवी का ट्रेलर 11 अगस्त को लॉन्च होगा।उन्होंने कहा, बड़े पर्दे पर धूम मचाने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। टीजर से इंटरनेट पर तहलका मचाने के बाद, फिल्म निर्माता अब 11 अगस्त को मिर्जापुर द मूवी का आधिकारिक ट्रेलर जारी करने की तैयारी में हैं, जो दर्शकों को सिनेमाघरों में रिलीज से पहले मिर्जापुर की दुनिया की अब तक की सबसे व्यापक झलक पेश करेगा।गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित मिर्जापुर द मूवी का टीजर पिछले महीने आया था, जिसमें अभी कलाकार अपने-अपने किरदारों में दमदार वापसी करते नजर आए।दिव्येंदु भी अपने किरदार मुन्ना भइया के रूप में फिल्म में मौजूद हैं, जिनकी सीरीज के दूसरे सीजन में मौत हो गई थी।अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, जितेंद्र कुमार, शीबा चड्ढा, श्रिया पिलगांवकर, श्वेता त्रिपाठी और सोनल एस चौहान भी अहम किरदारों में मौजूद हैं।ये फिल्म 4 सितंबर, 2026 से सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्लैक बाडीकान ड्रेस में मोनालिसा का बोल्ड अंदाज, फ्लोरल टियारा ने लूटी महफिल

भोजपुरी सिनेमा से लेकर टीवी जगत तक अपनी बोल्डनेस और बेहतरीन अदाकारी से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया फोटोशूट शेयर किया है, जिसमें उनका बेहद ग्लैमरस और बोल्ड अवतार देखने को मिल रहा है।मोनालिसा ने इस फोटोशूट के लिए एक बेहद हॉट लिटिल ब्लैक ड्रेस को चुना है। उनकी यह ड्रेस मिनी बॉडीकॉन स्टाइल में है, जिसमें नेकलाइन और वेस्ट एरिया पर ट्रांसपेरेंट मेश फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया है।यह डीप-नेक मेश आउटफिट मोनालिसा के कर्वी और परफेक्ट फिगर को बेहद खूबसूरती से उभार रहा है, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है।तस्वीरों में मोनालिसा एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वे अपने दोनों हाथों को बालों पर रखकर सिजलिंग पोज दे रही हैं, तो कभी

दीवार और चेयर के सहारे टिककर उनके कातिलाना एक्सप्रेशंस फैंस को दीवाना बना रहे हैं।मोनालिसा ने अपने इस ग्लैम लुक को कम्प्लीट करने के लिए बालों को मिडिल पार्टिंग के साथ सॉफ्ट कर्ल्स देकर खुला छोड़ा है। कुछ तस्वीरों में वे अपने सिर पर लाल गुलाब के फूलों से बना एक खूबसूरत फ्लोरल टियारा पहने नजर आ रही हैं।डार्क मैरून लिपस्टिक, वेल-शेड आईब्रो और मिनिमल मेकअप मोनालिसा के फेशियल फीचर्स को परफेक्टली हाइलाइट कर रहा है।

खतरों के खिलाड़ी 15 की शुरुआत में शगुन शर्मा द्वारा गौरव खन्ना पर लगाए गए बुलिंग के आरोप

खतरों के खिलाड़ी 15 की शुरुआत में शगुन शर्मा द्वारा गौरव खन्ना पर लगाए गए बुलिंग के आरोप रियलिटी शो के प्रतिस्पर्धी माहौल का विश्लेषण करते हैं। यह विवाद शगुन शर्मा, गौरव खन्ना और रोहित शेट्टी के शो के इर्द-गिर्द घूमता है, जो मानसिक दबाव के प्रभाव को दर्शाता है। आज यानी 1 अगस्त 2026 से लोकप्रिय रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' शुरु हो चुका है। इस शो में टीवी सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस शगुन शर्मा भी नजर आने वाली है। रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाला रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में शगुन ने बड़ा खुलासा किया है। टीवी एक्ट्रेस ने बताया कि शो में अभिनेता गौरव खन्ना ने उनके साथ काफी बुरा बर्ताव किया है। जाने क्या है पूरा मामला? टीवी एक्ट्रेस ने हाल ही में फिल्मीज्ञान को इंटरव्यू दिया है और उन्होंने कहा है कि, 'मुझे लगता है कि गौरव खन्ना को ऐसे इंसान हैं जिनसे मैं मिलना नहीं चाहूंगी। वह ऐसे शख्स थे, जिन्होंने मुझे बहुत बुली किया है।

क्या कम ब्लड प्रेशर से चक्कर आने पर कॉफी पीना सही है? जानें सच्चाई

कम ब्लड प्रेशर एक ऐसी स्थिति है, जिसमें रक्तचाप सामान्य से कम होता है। इसे हाइपोटेंशन भी कहा जाता है। इससे चक्कर आना, कमजोरी महसूस होना और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई लोग मानते हैं कि कॉफी सच है कि कुछ समय के लिए कॉफी पीने से आपका रक्तचाप थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन यह असर बहुत ही अस्थायी होता है।

इसके बाद आपका रक्तचाप फिर से सामान्य हो जाता है। इसलिए, यह कहना गलत होगा कि कॉफी चाहिए। अगर आपको नियमित रूप से चक्कर आते हैं तो डॉक्टर से संपर्क करें और सही उपचार करवाएं। कॉफी का सेवन सिर्फ थोड़ी देर के लिए राहत दे सकता है।संतुलित डाइट का महत्वकम ब्लड प्रेशर वाले लोगों के लिए संतुलित डाइट

पीने से रक्तचाप बढ़ता है और इससे चक्कर कम हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि क्या वाकई कॉफी पीने से कम ब्लड प्रेशर के कारण चक्कर आने की समस्या ठीक हो सकते हैं या नहीं।कॉफी में मौजूद कैफीन का असरकॉफी में मौजूद कैफीन एक तरह का उत्तेजक होता है, जो थोड़े समय के लिए रक्तचाप को बढ़ा सकता है।यह हमेशा के लिए आपका रक्तचाप स्थायी रूप से बढ़ा देती है।सेहत पर पड़ सकता है असरकॉफी का ज्यादा सेवन सेहत पर असर डाल सकता है। इससे नींद की गुणवत्ता खराब हो सकती है, दिल की धड़कन तेज हो सकती है और पेट में जलन हो सकती है। इसलिए, कम ब्लड प्रेशर वाले लोगों को सीमित मात्रा में ही कॉफी का सेवन करना लेना जरूरी है। हरी सब्जियां, फल, मेवे और प्रोटीन युक्त खाने की चीजें आपके लिए फायदेमंद हो सकती हैं।ये पोषक तत्व आपके शरीर को ऊर्जा देते हैं और रक्तचाप को स्थिर रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा पानी पीना भी जरूरी है, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो और थकान और चक्कर जैसी समस्याओं से बचा जा सके।

गिंगम प्रिंट वाली स्कर्ट फिर चलन में आई, जानिए स्टाइल करने के 5 सुझाव

गिंगम प्रिंट एक ऐसा कपड़ा है, जो हमेशा से ही फैशन में रहा है। यह प्रिंट अपनी खास डिजाइन और रंगों के कारण महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को पहनकर आप न केवल आरामदायक महसूस करेंगी, बल्कि स्टाइलिश भी नजर आएंगी। आइए आज हम आपको गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को अलग-अलग तरीकों से पहनने के कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं, जो आपके लुक को खास बना देगा। टी-शर्ट के साथ करें मेलगिंगम प्रिंट की स्कर्ट को टी-शर्ट के साथ पहनना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। आप अपनी पसंदीदा रंग की टी-शर्ट को गिंगम प्रिंट की स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं।यह मेल न केवल आरामदायक महसूस कराएगा, बल्कि आपको एक स्मार्ट लुक भी देगा। अगर आपकी स्कर्ट हल्के रंग की है तो गहरे रंग की टी-शर्ट चुनें और इसके विपरीत भी।इससे आपका लुक और भी खास लगेगा।जैकेट के साथ बनाएं स्टाइलिश लुक अगर आप अपने गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को थोड़ा औपचारिक टच देना चाहती हैं तो उसके ऊपर एक अच्छी फिटिंग वाली जैकेट पहन सकती हैं।यह मेल ऑफिस मीटिंग या किसी विशेष अवसर पर जाने के लिए सही है। जैकेट आपके लुक को पेशेवर और आकर्षक बनाएगी, जिससे आप हर जगह अलग दिखेंगी।इसके साथ एक साधारण ब्लाउज या शर्ट पहनें और हल्के गहनों का उपयोग करें. ताकि आपका लुक संतुलित और मनोहर लगे। स्नीकर्स के साथ बनाएं रोजमर्रा का लुकगिंगम प्रिंट की स्कर्ट को स्नीकर्स के साथ पहनना एक रोजमर्रा और आरामदायक तरीका हो सकता है। यह लुक खासकर तब अच्छा लगता है जब आप किसी शॉपिंग या दोस्तों के साथ बाहर घूमने जा रही हों।

इसके अलावा यह आपके रोजमर्रा के कामों में भी सहायक रहेगा। स्नीकर्स के साथ गिंगम प्रिंट की स्कर्ट पहनकर आप न केवल आरामदायक महसूस करेंगी, बल्कि स्टाइलिश भी दिखेंगी।इसके साथ आप हील भी पहन सकती हैं।बेल्ट लगाएंअगर आपकी गिंगम प्रिंट की स्कर्ट ढीली है तो उसमें बेल्ट लगाकर उसे स्टाइलिश बनाया जा सकता है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक-शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।